



अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 25 जनवरी 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश थीम पर यूपी दिवस-2026 का भव्य आयोजन

अमित शाह ने किया उद्घाटन

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश प्रतिवर्ष अपनी स्थापना के गौरवशाली दिन को ह्यउत्तर प्रदेश दिवसह के रूप में 24 जनवरी को मनाता है. इस वर्ष ह्यविकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेशह की थीम पर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 24 से 26 जनवरी तक पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा और राज्य की प्रगति यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर जनोत्सव बने, जिसमें प्रदेश के हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो और प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और जीवंत आत्मा के साथ-साथ विकास यात्रा की भी झलक मिले.

उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का मुख्य समारोह लखनऊ के नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्र सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया. देश भर से आमंत्रित गणमान्य अतिथियों के साथ-साथ प्रदेश के जनप्रतिनिधियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया.

लखनऊ में मुख्य समारोह के आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जनपदों में स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, विकास प्रदर्शनियां और जनभागीदारी वाले आयोजन किए जाएंगे. वहीं, मुख्य समारोह का दूरदर्शन के माध्यम से पूरे प्रदेश में लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिससे प्रदेश का जन-जन यूपी दिवस के इस आयोजन का सहभागी बन सकेगा.

ओडीओसी योजना बनेगी मुख्य आकर्षण

इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री योगी द्वारा घोषित ह्यएक जनपद-एक व्यंजनह (ओडीओसी) योजना होगी. ओडीओसी योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के एक पारंपरिक और प्रसिद्ध व्यंजन को चुना गया है. इस विशिष्ट आयोजन में प्रदेश के सभी ओडीओसी व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे. यह पहल न केवल उत्तर प्रदेश के भोजन की विविधता को प्रदर्शित करेगी,

बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती प्रदान करेगी. यह यूपी के स्वाद को यूपी की पहचान बनाने का माध्यम बनेगी. साथ ही यूपी दिवस के अवसर पर ह्यएक जनपद-एक उत्पादह (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत शिल्पकारों के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय किया जाएगा. इसके अलावा जीआई टैग प्राप्त उत्पादों को भी ट्रेड शो की तर्ज पर प्रदर्शित किया जाएगा.

यूपी गौरव 2025-26 सम्मान वितरण

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश दिवस के समारोह में ह्यउत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26ह का वितरण किया जाएगा. इस वर्ष शिक्षा, साहित्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण तथा अंतरिक्ष विज्ञान में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली पांच विभूतियों को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा.

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों को भी पुरस्कृत किया जाएगा. इसी अवसर पर मुख्यमंत्री ह्यएक जनपद-एक व्यंजनह (ओडीओसी) योजना की औपचारिक लॉन्चिंग तथा सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जॉब योजना का शुभारंभ करेंगे.

विविध प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर ह्यविकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेशह थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनियों और शिल्प मेलों का आयोजन किया जाएगा. इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की झलक देखने को मिलेगी. लोक, शास्त्रीय एवं समकालीन कला रूपों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी.

प्रदेश भर में आयोजित संस्कृति उत्सव 2025-26 के कार्यक्रमों को भी इससे जोड़ा जाएगा. प्रत्येक जनपद में आयोजित प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा. साथ ही, मिशन शक्ति, नवाचार तथा ह्यएक जनपद-एक व्यंजनह के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी. इसके अतिरिक्त, प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा, उद्यमी, स्वयं सहायता समूहों की



देश और विदेश में आयोजन

डबल इंजन सरकार के विजन के अनुसार, इस वर्ष यूपी दिवस-2026 के आयोजन को राज्य और देश की सीमाओं से बाहर भी ले जाया जाएगा. इसके अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों के लोकभवनों में यूपी दिवस-2026 के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. साथ ही फिजी, मॉरीशस, मालदीव, सिंगापुर और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस मनाया जाएगा.

इन कार्यक्रमों के लिए एमएसएमई और पर्यटन विभाग द्वारा स्मृति-चिह्न उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके माध्यम से इन देशों और राज्यों में निवासरत उत्तर प्रदेश के नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा. इस क्रम में, प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्री, सांसद और विधायक राज्य के प्रतिनिधि के रूप में इन देशों और राज्यों में उत्तर प्रदेश की संस्कृति और प्रगति से लोगों को परिचित कराएंगे तथा उन्हें प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित करेंगे.

जन-जन की भागीदारी और उत्सव का महत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश दिवस-2026 प्रदेश की संस्कृति, स्वाद, शिल्प और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने के साथ-साथ जन-जन की भागीदारी का सबसे बड़ा मंच बने. ऐसे में, यह उत्सव प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत सिद्ध होगा. मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य का पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग लखनऊ

महिलाएं, कलाकार, खिलाड़ी तथा पंचायती राज, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, कृषि



विकास प्राधिकरण (एलडीए) के सहयोग से यूपी दिवस के आयोजन को गरिमापूर्ण, अनुशासित और भव्य बनाने की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर चुका है. यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश की समृद्ध विरासत का उत्सव होगा, बल्कि ह्यविकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेशह के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करेगा. पूरे प्रदेश में उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का यह जनोत्सव प्रदेश की एकता और प्रगति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करेगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनदीबेन पटेल की उपस्थिति भी रहेगी. साथ ही, प्रदेश भाजपाध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य और ब्रजेश पाठक, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे. अन्य प्रमुख अतिथियों में राज्यसभा सदस्य बृज लाल एवं संजय सेठ, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल तथा प्रदेश के माननीय विधायकगण भी उपस्थित रहेंगे।

एवं श्रम क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा।

780 मिलियन की ऑयल डील डन ! भारत करेगा ब्राजील के साथ मिलकर बड़ा धमाका

नई दिल्ली

भारत ने फिर से यह एक बार साबित कर दिया है कि भारत अपने फैसले अपने नागरिकों के हित में लेता है। बिना किसी के दबाव में आए। दुनिया भर में ट्रंप की धमकियों के बीच अब भारत ने इस ब्रिक्स देश के साथ करने जा रहा है एक बड़ा समझौता। भारत ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े कई बड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते अगले हफ्ते करने जा रहा है। जहां भारत ऊर्जा सप्ताह के मंच पर तेल और गैस से जुड़े अहम करार किए जाएंगे। जिनका सीधा असर देश की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक साझेदारी पर पड़ेगा। तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि भारत एनर्जी वीक के दौरान भारत और ब्राजील की सरकारी तेल कंपनियों के बीच एक बड़ा कच्चे तेल का समझौता होने जा रहा है। इसके तहत भारत की ओर से भारत पेट्रोलियम और ब्राजील की ओर से पेट्रोल ब्रास के बीच 780 मिलियन का करार होगा। इस समझौते के तहत भारत पेट्रोलियम आने वाले वित्तीय वर्ष में ब्राजील

से 12 मिलियन बैरल कच्चा तेल खरीदेगी। आपको बता दें यह मात्रा पिछले साल फरवरी में हुए समझौते से दोगुनी है। उस वक्त 6 मिलियन बैरल की सप्लाई तय हुई थी जिसे अब बढ़ाकर 12 मिलियन बैरल करने का इरादा है। तेल मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार स्थिर बना हुआ है। इसके अनुसार दुनिया में कई बदलावों के बाद भी कच्चे तेल की कीमतें ना तो बहुत ज्यादा नीचे गई हैं और ना ही बहुत ज्यादा ऊपर। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले समय में

ऊर्जा की कोई भी कमी उन्हें नजर नहीं आ रही है। यानी भारत की ऊर्जा आवश्यकता में अभी कोई

दिल्ली पुलिस ने किया बड़े गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर-स्टेट सेल (आईएससी) की एक समर्पित टीम ने फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटालों में शामिल एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है और कोलकाता और लखनऊ से चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, गिरोह फर्जी ट्रेडिंग ऐप्स और टेलीग्राम समूहों के माध्यम से लोगों को उच्च लाभ का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करता था।

भाजपा -शिंदे कैंप में भारी कन्फ्यूजन, बीएमसी के चुनाव पर सस्पेंस गहराया



मुंबई

मुंबई में होने वाले मेयर चुनाव में आखिरी समय में देरी हो गई है। 31 जनवरी के बजाय अब ये चुनाव फरवरी की शुरुआत में होंगे, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को समूह पंजीकरण में आ रही दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस अड़चन से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के नेतृत्व की दौड़ भी रुक गई है, जिससे भारत के सबसे धनी नगर निगम में सत्ता-साझाकरण को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। महापौर पद के लिए आरक्षण घोषित होने के बाद, बीएमसी ने 31 जनवरी को मतदान की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि, प्रक्रिया में एक बाधा आ गई: भाजपा और शिंदे शिवसेना के पार्षदों ने अपने समूह पंजीकरण

को अंतिम रूप नहीं दिया, जिससे चुनावी औपचारिकताएं रुक गईं। जब तक सभी गुट नगर सचिव के कार्यालय में प्रमाण पत्र जमा नहीं कर देते, तब तक महापौर चुनाव आगे नहीं बढ़ सकता। उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस - जिनके संयुक्त रूप से 65 पार्षद हैं - ने तेजी से पंजीकरण पूरा कर लिया, जिससे वे प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल गए। सूत्रों के मुताबिक, अब चुनाव फरवरी के पहले सप्ताह में होने की संभावना है, जिससे कागजी कार्रवाई के लिए समय मिल जाएगा। भाजपा और शिंदे सेना के बीच अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है: क्या वे संयुक्त गठबंधन बनाएंगे या अलग-अलग? इस फैसले से 227 सदस्यीय विधानसभा में महापौर पद पर नियंत्रण बदल सकता है।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान, अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत 5 विभूतियां सम्मानित



उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का मुख्य कार्यक्रम इस बार लखनऊ में नए बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित हुआ. यह आयोजन तीन दिनों तक चलेगा. आज इस कार्यक्रम की शुरुआत केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की.

इस मौके पर प्रदेश सरकार ने उन लोगों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपने काम से उत्तर प्रदेश का नाम देश-विदेश में रोशन किया है. ऐसे पांच खास लोगों को ह्यउत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26ह दिया गया. इस साल जिन लोगों को यह सम्मान मिला वे अंतरिक्ष विज्ञान, शिक्षा, साहित्य, महिला सशक्तिकरण और कृषि जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अहम योगदान देने वाले व्यक्तित्व हैं. सम्मान पाने वालों में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, अलख पांडे, डॉ.हरिओम पंवार, रश्मि आर्य शामिल हैं. इन सभी ने अपने-

अपने क्षेत्र में योगदान देकर प्रदेश का नाम रोशन किया है. मुख्यमंत्री ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय जो कर पहुंचे

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित होने वालों में लखनऊ के रहने वाले अंतरिक्षयात्री और भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला भी शामिल हैं. शुभांशु शुक्ला ने 26 जून 2025 को अमेरिका के नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए उड़ान भरी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (वर्क) पहुंचे. इसके साथ ही उन्होंने इतिहास रच दिया. वे आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्षयात्री बने.हालांकि अंतरिक्ष में जाने वाले भारतीयों में वे राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय हैं।

संजय भंडारी केस : कोर्ट से ईडी को मिली फटकार

ये ध्यान भटकाने की साजिश- रॉबर्ट वाड्रा

उत्तर प्रदेश

कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने शनिवार को कहा कि सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कर रही है। वाड्रा की यह टिप्पणी राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा प्रवर्तन निदेशालय को संजय भंडारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर पूरक आरोपपत्र पर बहस करने के लिए समय दिए जाने के बाद आई है। रॉबर्ट वाड्रा ने एएनआई से कहा, "मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। समय ही सब कुछ बयां करता



है। जब भी संसद का सत्र शुरू होने वाला होता है और सरकार से विपक्ष द्वारा उठाए गए असहज सवालों के जवाब देने की उम्मीद की जाती है, तब ईडी का इस्तेमाल

असली और संवेदनशील मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए किया जाता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े ईडी मामले में वाड्रा के

खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। अदालत ने मामले से संबंधित अप्राप्त्य दस्तावेजों की सूची दाखिल न करने पर ईडी को फटकार लगाई। अदालत ने ईडी को अगली सुनवाई की तारीख तक दस्तावेज दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई की तारीख 26 फरवरी है। शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर पूरक आरोपपत्र पर विचार करने के लिए समय दिया।

क्रियायोग अभ्यास से खिलता है ज्ञान का बसंत : स्वामी श्री योगी सत्यम्

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र महात्मा गांधी मार्ग - संगम मेरी जंक्शन पर क्रियायोग शिविर में बसंत पंचमी के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम् जी महाराज ने देश-विदेश से आए साधकों को पर्व का वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि क्रियायोग का अभ्यास ही बसंत पंचमी की वास्तविक और वैज्ञानिक पूजा है। स्वामी श्री योगी सत्यम् जी महाराज ने अपने बताया कि क्रियायोग ध्यान के माध्यम से मनुष्य स्वयं को ब्रह्मांड की समस्त रचनाओं के साथ शाश्वत एकता में अनुभव करता है। इस



अवस्था में साधक सभी प्राणियों की सच्ची सेवा करने में सक्षम होता है और निरंतर परम शांति की अनुभूति करता है। उन्होंने कहा कि 'वसंत के आगमन' का अर्थ केवल ऋतु

परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन में ज्ञान का प्रकट होना है। जब मनुष्य के भीतर ज्ञान का पुष्प खिलता है, तो वह सिर और रीढ़ में स्थित चेतना केंद्रों के जागरण के रूप में प्रकट होता है, जिन्हें चक्र कहा जाता है। बसंत के समय इन

चक्रों का जागरण होता है, जिससे शांति, धैर्य और साहस की सुगंध जीवन में फैलती है। स्वामी जी ने बताया कि पंचमी के बिना बसंत की कल्पना अधूरी है। रीढ़ में स्थित पांच प्रमुख ज्ञान केंद्र- मूलाधार, स्वाधिष्ठान,

मणिपुर, अनाहत और विशुद्धि- जब जाग्रत होते हैं, तभी वास्तविक बसंत का अनुभव होता है। इसी चेतना जागरण की प्रक्रिया को बसंत पंचमी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि क्रियायोग के नियमित अभ्यास से यह

चेतना जागृत होती है, इसलिए क्रियायोग का अभ्यास ही बसंत पंचमी की वैज्ञानिक पूजा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधक उपस्थित रहे और उन्होंने ध्यान एवं साधना के माध्यम से इस संदेश को आत्मसात किया।

घूरपुर में तेज रफ्तार एंबुलेंस ने साइकिल सवार छात्रों को रौंदा, दो की मौत

स्कूल से लौटते समय हुआ हादसा, एक ने मौके पर तोड़े दम, दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय



अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के घूरपुर थाना इलाके के छोटी कांटी गांव में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार एंबुलेंस की टक्कर से

साइकिल सवार दो छात्रों की मौत हो गई। हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसने एसआरएन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद

मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात को संभाला। हादसे को लेकर क्षेत्रीय लोगों में गहरा आक्रोश देखा गया। बताया जा रहा है कि दोनों छात्र स्कूल से साइकिल से



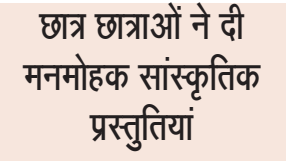
घर लौट रहे थे, तभी तेज गति से आ रही एंबुलेंस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मृतक छात्रों की पहचान

शोभित पटेल और रिकू पटेल के रूप में हुई है। पुलिस ने एंबुलेंस को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं,

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

शिक्षा के महत्व का उल्लेख वेदों और पुराणों में : विधायक राजमणि कोल

सींकी कला स्थित अतिबल सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि का उद्घोषण



अखंड भारत संदेश

पसना। कोरांव ब्लाक के सींकी कला स्थित अतिबल सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के वार्षिक उत्सव समारोह में कोरांव विधायक राजमणि कोल ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घोषण दिया। उन्होंने कोरांव विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार में अतिबल सिंह ग्रुप के विद्यालयों के योगदान की सराहना की। विधायक कोल ने अपने संबोधन में कहा कि पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा का दीप जलाने में इस विद्यालय के संस्थापकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा हमें जीवन



के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है, जिसका उल्लेख वेदों और पुराणों में भी किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि आज से लगभग 25 वर्ष पूर्व कोरांव क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त के लिए गिने-चुने ही कॉलेज थे, लेकिन अब शिक्षा के प्रति सोच रखने वाले

लोगों ने क्षेत्र में प्रतिष्ठित कॉलेजों की स्थापना की है। समारोह की शुरुआत द्वीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के साथ हुई। इसके बाद कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यालय

के प्रबंधक और प्रयागराज के ख्यातिलब्ध चिकित्सक डॉ. कमलाकर सिंह ने अपने उद्घोषण में कहा कि वे भी इसी गांव क्षेत्र की माटी से निकलकर आज देश-प्रदेश में चिकित्सा के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि सन् 2002 में इस विद्यालय की स्थापना



लघु रूप में हुई थी। आज यह संस्थान यमुनापार क्षेत्र में प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिस पर उन्हें गर्व है। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष संतारा देवी, विधायक प्रतिनिधि अखंड पांडे, विद्यालय के संरक्षक धनंजय सिंह,

अशोक सिंह, सुशील सिंह, आफताब अहमद, आनंद सिंह, देवराज गुप्त, बृजराज यादव सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ओज के मशहूर कवि बबलू सिंह बहियारी ने किया।

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया



अखंड भारत संदेश

करछना प्रयागराज। संस्थान प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट एवं प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, बैदा करछना प्रयागराज में 24 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा फार्मेसी के छात्रों हेतु दीक्षांत समारोह आयोजित करके प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य

अतिथि ज्ञान सिंह पटेल भाजपा जिला उपाध्यक्ष, संस्थान के सचिव विकास सिंह, प्राचार्य डा पवन कुमार सिंह, एकेडमिक कॉर्डिनेटर डा मुकेश मिश्रा एवं रजिस्ट्रार आशीष तिवारी ने सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया। संस्थान के सचिव एवं प्राचार्य द्वारा छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। ज्ञान सिंह जी ने कार्यक्रम में आए सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

यूजीसी कानून से शिक्षा जगत में अराजकता, सवर्ण समाज करेगा बड़ा आंदोलन: क्रांति गुरु गणेश वल्लभ

सहस्रों। सरकार द्वारा शिक्षण संस्थानों में लागू किया गया यूजीसी कानून देश में अराजकता का माहौल पैदा करेगा। जहां विद्यार्थी आपसी भेदभाव को भूलकर प्रेमपूर्वक शिक्षा ग्रहण करते हैं, वहीं शासन सत्ता ने इस कानून के माध्यम से आरक्षित और अनारक्षित वर्ग में विभाजन कर समाज में नफरत का जहर घोलने का काम किया है। यह बातें ब्राह्मण क्षत्रिय एकता मंच के संयोजक क्रांति गुरु गणेश वल्लभ ने एक प्रेस विज्ञापित उच्च शिक्षा संस्थानों में यूजीसी एक्ट के तहत बनाए गए इस कानून में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों पर यदि ओबीसी, एससी या एसटी वर्ग के छात्र किसी भी प्रकार का आरोप लगाते हैं तो उसमें कड़े दंड का प्रावधान रखा गया है, जबकि शिकायत झूठी पाए जाने पर शिकायतकर्ता पर किसी प्रकार की कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। यह कानून पूरी तरह से



योग्यता का खुला अपमान है। क्रांति गुरु ने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा संस्थानों में यूजीसी एक्ट के तहत बनाए गए इस कानून में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों पर यदि ओबीसी, एससी या एसटी वर्ग के छात्र किसी भी प्रकार का आरोप लगाते हैं तो उसमें कड़े दंड का प्रावधान रखा गया है, जबकि शिकायत झूठी पाए जाने पर शिकायतकर्ता पर किसी प्रकार की कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। यह कानून पूरी तरह से

एकतरफा और अन्यायपूर्ण है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इस काले कानून के विरोध में सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर शीघ्र ही एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कानून वापस न लिए जाने की स्थिति में सड़क पर उतरने से भी परहेज नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्रांति गुरु ने यह भी कहा कि यदि आंदोलन को जीवित रखने के लिए वर्ष 2018 में लाए गए एससी-एसटी एक्ट के विरोध में हुए सवर्ण सांसदों की शिव यात्रा जैसे आंदोलन को पुनः दोहराना पड़ा तो इसके लिए भी वे पूरी तरह तैयार हैं। आंदोलन को सफल बनाने के लिए देश के विभिन्न संगठनों से संपर्क कर नई रणनीति तैयार की जा रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती बच्चों में बांटी गई मिठाइयां



सहस्रों। ग्रामसभा भोपतपुर में कांग्रेस पार्टी गंगापार कार्यकर्ताओं द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल आयोजित कर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्ी ठाकुर की जयंती उनके मूर्ति पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर मनाई गई। तदुपरांत बच्चों में मिष्ठान का वितरण किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने पूर्व मुख्यमंत्री को नमन करते हुए कहा कि कपूर्ी ठाकुर बिहार के एक प्रमुख समाजवादी, राजनीतिज्ञ थे जिन्हें जननायक के नाम से जाना जाता है। वह बिहार के दो

बार मुख्यमंत्री और एक बार उपमुख्यमंत्री रहे। उन्होंने सामाजिक, न्याय, परीबों, पिछड़ों और वंचितों के उत्थान के लिए काम किया। खासकर शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण लागू करके वह अपनी ईमानदारी सादगी और कर्तव्य निष्ठता के लिए जाने जाते हैं। उन्हें मरणोपरांत 2024 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्हें सरल जीवन और जनता के प्रति समर्पण के लिए जननायक कहा जाने लगा। उन्होंने अपना जीवन गरीबों के उत्थान वंचितों की सेवा में समर्पित कर दिया। वह सदैव दूरदर्शी और

सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। उनके कार्यों से हमें शिक्षा लेनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुनील पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय, उपाध्यक्ष निशा सिंह, डा.अमर सिंह पटेल, शिव प्रसाद सिंह, मो.शफीक, पुष्पा चौधरी, सुनीता देवी, रीता देवी, साधना देवी, काजल देवी, आंचल शर्मा, निशा पटेल, इन्द्रा पटेल, मुन्नासरीन बानो, सितारा देवी, कंचन देवी, सविता देवी, हरिभान सिंह सिंगारौर, दिलीप कुमार शर्मा आदि ग्रामीण महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

गुटखा खाने से मना करने पर जिम संचालक सहित कई को पीटा, मुकदमा दर्ज

मऊआइम। गुटखा खाने से मना करने पर जिम संचालक सहित कई को मारा पीटा गया पीड़ित ने चार सहित आधा दर्जन के खिलाफ मिकदम दर्ज करा दिया है। मऊआइम थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसई सिपाह चौराहा निवासी अहमद अली पुत्र हाशिम अली घर के पास जिम मना करने पर प्रवेश करने पर उन्होंने मना किया तो उसे गालियां देते मारा पीटा। अहमद अली का आरोप है कि अन्य लोगों के आने पर उसे और उसके खालाजात भाई साहिल एवं जिम में मौजूद पवन सिंह को मार पीट कर जख्मी कर दिया गया। तथा जान से मारने की धमकी दी गई।अहमद अली ने मऊआइम थाने में जीशान, फैजान,शादाब, हमरान सहित आधा दर्जन अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

● विद्यालय ही असली राष्ट्रनिर्माता का निर्माण करता है: डॉ अजयेंद्र दुबे

● भारत में शिक्षा का उद्देश्य भौतिक सुखों की प्राप्ति कभी नहीं रही: डॉ कुँवर शेखर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ शुक्ल पंचमी (बसंत पंचमी) के शुभ अवसर पर श्री राम प्रताप उ. मा. विद्यापीठ सुरेला, उमरी, जौनपुर ने अपना 21 वाँ संस्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव समारोह बड़े उल्लासपूर्ण ढंग से मनाया । कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि डॉ. अजयेंद्र कुमार दुबे प्रबंधक कुटीर पी. जी. कॉलेज चक्के, जौनपुर, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर संत प्रकाश तिवारी, संस्कृत विभागा इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज, मुख्य वक्ता डॉ कुँवर शेखर गुप्त, अस्सिस्टेंट प्रोफेसर, यूनाइटेड विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रयागराज एवं डॉ. राजबहादुर यादव समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, विशिष्ट अतिथि प्रवीण कुमार थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर, जौनपुर, अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह ने तथा विद्यालय के प्रबंधक प्रेम नारायण तिवारी जी ने सरस्वती और संस्थापक जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्घोषण में कहा कि विद्यालय बच्चों



को शिक्षित एवं सुसंस्कारवान बनाएं आज समाज को इसकी महती आवश्यकता है । डॉ. राजबहादुर यादव जी ने चरित्रबल, एवं अनुशासन पर विस्तार से प्रकाश डाला । थानाध्यक्ष महोदय ने बच्चों को

जीवन में समय के प्रबंधन के बारे में बताया । प्रोफेसर संतप्रकाश तिवारी जी ने गुरुकुल शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया । निर्णायक मण्डल के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ. कुंवर शेखर गुप्ता ने विद्यार्थियों

को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस आधुनिक एवं टेक्नॉलजी के जीवन में जो युवाओं का एक मात्र उद्देश्य जीवन में है किसी भी तरह से पैसे कमाना और संसार की भौतिक जरूरतों की केवल पूर्ति करना, ऐसे में

विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से परिपूर्ण, संस्कारयुक्त एवं उन्हें स्वावलंबी बनाने वाली शिक्षा की आवश्यकता है, उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि आप अपने पाल्य का ध्यान घर पर भी रखें केवल स्कूल भेजकर अपने कर्तव्य की इतिश्री न करें। अध्यक्षीय भाषण में शैलेश कुमार सिंह ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समावेशी शिक्षा को आवश्यक बताया । सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोहित कर दिया । अंत में सभी अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम्, स्मृति चिन्ह देकर डॉ. श्रीनिवास तिवारी जी ने सम्मानित किया । स्वागत भाषण अभिषेक कुमार गर्ग ने किया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व माननीयों के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा बनावे हुए मॉडल एवं पोस्टर का

अवलोकन, मूल्यांकन किया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार सह संचालक आकाश कुमार गर्ग तथा, आशीष कुमार गर्ग ने किया । कार्यक्रम में अरुण सिंह, देवि प्रसाद सिंह, राकेश सिंह, सरोज सिंह, शोभनाथ शुक्ला, कविराज यादव , दिव्यांशु सिंह अभिषेक सिंह गोलू, विपुल सिंह, धनंजय सिंह, सुरेंद्र सिंह बच्चा,मनीष चौबे , निर्भय सिंह , सत्यम सिंह, अवधेश सिंह सबल , अनिल तिवारी , शत्रुघ्न तिवारी, सुरारी सिंह दिनेश सिंह, सोनू यादव तथा विद्यालय के शिक्षक , मंजू तिवारी, नीलू सिंह ,बीनू, ओमप्रकाश शर्मा , ज्ञानचंद यादव , अवनीश यादव प्रदुम्न कुमार, जयदीप , अनिल मौर्य , आंचल, रोशनी, काजल, बेबी , पूनम सिंह , पूजा, अमन कुमार, सचिन गुप्ता , आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रतापगढ़ संदेश

उत्तर प्रदेश दिवस समारोह का प्रभारी मंत्री ने किया शुभारम्भ

- कर्मचारियों, लाभार्थियों, ग्राम प्रधान, उद्यमियों को किया गया सम्मानित,
- विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का किया गया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के तुलसीसदन (हादोहाल) में 24 से 26 जनवरी तक चलने वाले त्रिदिवसीय विक्सित उत्तर प्रदेश-विक्षित भारत की थीम पर ह्दहउत्तर प्रदेश दिवस-2026समारोह का भव्य तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ राज्यमंत्री परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश/जनपद के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण

पीड़ित महिलाओं के साथ न्याय होगा : कुशवाहा

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। पीड़ित महिलाओं के साथ न्याय होगा, उनके हक की लड़ाई लड़ने के लिए प्रदेश सरकार के साथ महिला आयोग भी है। यह बातें महिला आयोग की सदस्या प्रतिभा कुशवाहा ‘दीदी’ ने शनिवार को बाबा बेलखरनाथ धाम की ईशानपुर स्थित पंचायत भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित जनसुनवाई एवं चौपाल कार्यक्रम के तहत कहीं। उन्होंने आगे कहा कि महिला सशक्तिकरण के माध्यम से प्रदेश सरकार महिलाओं का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए कार्य कर रही है, इसी के साथ उनके सम्मान की भी रक्षा की जा रही है।। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षा योजनाओं को प्रदेश में लागू करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्य कर रहे हैं। महिलाओं के श्रम पर बोलती हुई आयोग की सदस्या प्रतिभा कुशवाहा ने आगे कहा कि

खराब रास्ता और अशुद्ध पेयजल की मार से बेहटा गांव त्रस्त

पट्टी। आसपुर देवसरा के बेहटा गांव में ग्रामीण बदहाल सड़कों और शुद्ध पेयजल के अभाव से जूझ रहे हैं। गांव तक पहुंचने के लिए कागजों में तो पक्की काली सड़क है, लेकिन हकीकत में उसकी हालत चकमायं से भी बदतर हो चुकी है। गांव के भीतर मौजूद खड़ुंजे और संपर्क मार्ग इस कदर जर्जर हैं कि दूर से तीनों में कोई अंतर नजर नहीं आता। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और खड़ुंजों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। जगह-जगह उखड़ी मिट्टियों और धंसी ईंटों से लोगों के पैर में ठोकर लगती है, नाखून उखड़ जाते हैं और कई बार मोच तक आ जाती है। खासकर सिर पर फसल या बोझ लेकर चलने वालों के लिए यह रास्ते और भी खतरनाक साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बीते दस वर्षों से सड़क और खड़ुंजों की मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन आज तक किसी भी सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। नहर की पटरी से गांव में जाने के लिए बनाई गई

थाना बाघराय में समाधान दिवस पर हुई जनसुनवाई



कुंडा। क्षेत्राधिकारी सदर करिश्मा गुप्ता व थानाध्यक्ष बाघराय श्रवण कुमार ने रास्त्व टीम के साथ थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बाघराय में जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान थाने आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित, निष्पक्ष एवं न्यायोचित निस्तारण के लिए

कर किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रभारी मंत्री के पहुंचने पर एनसीसी के कैडेटों द्वारा उनका बैण्ड-बाजा के साथ भव्य रूप से स्वागत किया, इसके उपरान्त प्रभारी मंत्री जी ने मार्च पास्ट की सलामी ली। तुलसीसदन परिसर में लगाये गये विभिन्न विभागों की प्रदर्शनों का प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा, राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य के प्रतिनिधि राय सहाब सिंह, सांसद प्रतिनिधि बीएल गवा। उत्तर प्रदेश विकास और प्रकाश त्रिपाठी सहित अन्य अतिथियों, अधिकारियों व जनसामान्य द्वारा अवलोकन किया गया। उत्तर प्रदेश विकास और प्रकाश त्रिपाठी सहित अन्य अतिथियों, अधिकारियों व जनसामान्य द्वारा अवलोकन किया गया। उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है, अन्तिम पावदान पर खड़े व्यक्तियों को संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी



पहले इस प्रदेश को संयुक्त प्रान्त के नाम से जाना जाता था, आजादी के बाद से इसे उत्तर प्रदेश के नाम से जाना गया। देश के कई प्रान्तो के लोग उत्तर प्रदेश में निवास करते है। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश व प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है, अन्तिम पावदान पर खड़े व्यक्तियों को संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी

ने अपने संबोधन में प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और विकास की दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि आज हम अपने प्रदेश के स्थापना दिवस की वर्षगांठ मना रहे हैं। श्रीराम मंदिर के निर्माण में 1 करोड़ का दान करने वाले सियाराम को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष्मान योजना के 5 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास

घर में घुसकर महिला से मारपीट , छ पर मुकदमा दर्ज

कुंडा/ प्रतापगढ़। क्षेत्र के सिया खुशियाल का पुरवा गांव में दबंगई का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। गांव निवासी अन्नू देवी पत्नी बलिराम यादव की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। घटना 23 जनवरी 2026 की सुबह करीब 8:30 बजे की है, जब गांव के ही कुछ लोगों ने एक राय होकर पीड़िता के घर में जबर्न घुसकर कब्जा करने का प्रयास किया। आरोप है कि आरोपियों ने घर के अंदर गोबर डालकर कब्जे की नीयत दिखाई और विरोध करने पर पीड़िता के साथ मारपीट की। महिला किसी तरह जान बचाकर घर के अंदर घुसी, जिसके बाद आरोपियों ने घर की दीवार तोड़ने की कोशिश भी की। पीड़िता के शोर मचाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना से गांव में दहशत फैल गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बाघराय पुलिस ने छह नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रास्ते पर पानी जाने के विवाद में महिला की पिटाई

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के भोपालपुर गांव निवासी शिल्पा भारती पत्नी विकास ने आरोप लगाया है कि खेत की सिंचाई के लिए सड़क पार पाइप ले जाने के दौरान रास्ते से गुजरने वाले लोगों के आवागमन से पाइप क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे पानी सड़क पर फैल गया। इसी दौरान उधर से गुजर रहे लक्ष्मण कुमार फिसलकर गिर पड़े।आरोप है कि इसके बाद लक्ष्मण कुमार अपने परिजनों के साथ शिल्पा के घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट की। घटना से आहत शिल्पा भारती शनिवार दोपहर करीब एक बजे अपने ससुर रामनाथ के साथ पट्टी कोतवाली पहुंची और आरोपियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के लिए टीम गांव भेजी गई है। जांच के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चौपाल के जरिए शिक्षा की मजबूती पर दिया जोर



अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के परिपदीय विद्यालयों में शुक्रवार को न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षा चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राथमिक विद्यालय पूरे कला की न्याय पंचायत भदारी कला में आयोजित

फार्मर रजिस्ट्री कराए जाने पर अभियान के जरिए जोर

प्रतापगढ़। फार्मर रजिस्ट्री कराए जाने के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए प्रचार प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। सांगीपुर विकासखण्ड में चकबंदी अधिकारी अविनाश पाण्डेय द्वारा शनिवार को हरी झंडी दिखाकर फार्मर रजिस्ट्री प्रचार वाहन को रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि वाहन उप जिलाधिकारी लालगंज द्वारा निर्धारित रूट मैप पर क्षेत्र के मुस्तफाबाद, खानीपुर, पूरे नेवल, रांकी, राहाटीपुर, अठेठा, ननौती, पेड़रिया, मंगपुर, रामनगर कोल आदि क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराए जाने के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर राजकुमार सिंह, अमित कुमार मौर्य, राजेश, सियाराम, जगत नारायण, अभिषेक सिंह, अवधेश सिंह आदि मौजूद रहे।

योजना शहरी के 5 लाभार्थियों व पीएम स्वनिधि योजना के 6 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 05 लाभार्थियों प्रमाण पत्र, गोवंश कन्ट्रोल रूम के उत्कृष्ट 03 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, कृषि विभाग के कृषकों/कर्मचारियों, मुख्यमंत्री वाल सेवा योजना (सामान्य) के 05 लाभार्थियों प्रमाण पत्र, पंचायती राज विभाग के 02 अच्छे कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों खुर्शीद अहमद व रेनु सिंह, 02 सफाई कर्मी व 02 पंचायत सहायक प्रशस्ति पत्र, बाल विकास एवं पुष्टाहार के कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समूह की महिलाओं को 67 करोड़ 89 लाख 90 हजार का डेमो चेक व उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियों को प्रमाण पत्र, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 07 पीआरडी जवानों को प्रशस्ति पत्र, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के 05 लाभार्थियों को टूलकिट वितरण व 03 उत्कृष्ट उद्यमियों को प्रमाण

हरा पेड़ काटने की शिकायत पर पहुंची पुलिस



अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। हरा पेड़ कटने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लकड़ी को कब्जे में ले लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उडैयाडीह बाजार सिंह भदौरिया ने महुआ का पेड़ कट रहा था। सूचना पर पहुंची डायल 112

पत्र, आरसेटी के 25 अभ्यर्थियों को मशरूम का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रमाण पत्र, माटीकला टूलकिट्स योजना के 5 लाभार्थियों को इलेक्ट्रानिक चाक मशीन व 1 लाभार्थी को पगमिल मशीन का वितरण, चिकित्सा विभाग के चिकित्सक/स्टाफ को प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में जिलाधिकारी ने प्रभारी मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे, परियोजना अधिकारी डूडा सीमा भारती, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आये हुये अतिथियां का डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया।

न्यूज झरोखा

मायके में रह रही विवाहित ने फांसी लगाकर दी जान

कुंडा/प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के पूरे किशुनौ गांव में शुक्रवार की रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। गांव निवासी उषा प्रजापति ने अपने मायके के घर में छत में लगे पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही महेशगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतका उषा प्रजापति ने महेशगंज निवासी एक गैर बिगाराई के युवक से प्रेम विवाह किया था। विवाह के कुछ समय बाद युवक ने उसे छोड़ दिया था, जिसके बाद वह अपने मायके में रह रही थी। मृतका की एक छोटी बच्ची भी है। परिजनों के अनुसार उषा काफी समय से मानसिक अवसाद (डिप्रेशन) और बीमारी से परेशान चल रही थी, इसी कारण उसने यह लहलुहान होकर मचाया। इस संबंध में महेशगंज पुलिस का कहना है कि अभी तक मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस ने फौरी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

कारीगर के ऊपर गिरा लोहे का गाटर, रेफर

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के आमापुर बाजार स्थित एक होटल पर काम कर रहे कारीगर के ऊपर अचानक लोहे का गाटर गिर गया। हादसे में कारीगर के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे वह लहलुहान होकर मचायल हो गया। घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। घायल कारीगर की पहचान मुन्ना सिंह (45) निवासी आमापुर बाजार के रूप में हुई है। काम के दौरान दीवार पर लगा लोहे का गाटर अचानक उसके सिर पर आ गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इस संबंध में सीएचसी के डॉक्टर नीरज सिंह ने बताया कि युवक के सिर में गंभीर चोट है, बेहतर इलाज के लिए उसे जिला मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

थाना समाधान दिवस में एक भी शिकायत का नहीं हो सका निस्तारण

लालगंज। थाना समाधान दिवस में शनिवार को अफसरों ने समस्याओं पर सुनवाई की। लालगंज में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार व एसएसआई अरूण कुमार सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। यहां कुल सात शिकायतें आयी लेकिन निस्तारण शून्य रहा। वहीं सांगीपुर में कुल दस शिकायतें तथा उदयपुर में छः व लीलापुर में चार शिकायतें आयीं लेकिन मौके पर अफसर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं करा सके। सांगीपुर में थाना समाधान दिवस का संयोजन एसओ राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी व उदयपुर में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार तथा लीलापुर में प्रभारी निरीक्षक मनोज पाण्डेय ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं।

पशु चिकित्सा शिविर में पशुपालकों को सुझाए गए उपाय

प्रतापगढ़। विकासखण्ड लक्ष्मणपुर की ग्राम पंचायत हण्डौर में शनिवार को पशुपालन विभाग के तत्वाधान में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मौजूद पशु चिकित्साधिकारी लक्ष्मणपुर डा0 सुनील मिश्र ने पशुपालकों को पशुओं की देखभाल व उसमे जुड़ी बीमारियों के प्रति आवश्यक जानकारीयों दी। चिकित्सक ने पशुपालकों को पशुओं में होने वाली खुरपका, गला घोट, मुँसपका आदि बीमारियों से प्राथमिक बचाव के भी उपाय सुझाये। वहीं पशुपालकों में पशुओं के लिए दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस मौके पर डा0 अनील पटेल, धर्मेन्द्र यादव, अखिलेश शुक्ल, अमन गौतम, केशलाल, विकास श्रीवास्तव, सुनील गौड़, जवर सिंह आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्रधान व उनकी मां के निधन से शोक

लालगंज। पूर्व प्रधान व उनकी मां के आकस्मिक निधन से परिजनों में कोहराम है। वहीं मौत की जानकारी होने पर क्षेत्रवासियों में शोक की लहर फैल गयी। ग्राम पंचायत पहाड़पुर के पूर्व प्रधान पचपन वर्षीय मनोज कुमार दुबे का बीमारी के चलते बीते गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया। वहीं शनिवार को मृतक पूर्व प्रधान की मां नब्बे वर्षीया शिवकली का भी निधन हो गया। परिवार में तीन दिन के अंदर दो सदस्यों की आकस्मिक मौत हो जाने से राजकुमार दुबे, राजीव दुबे, संजय दुबे समेत परिजनों में कोहराम मचा है। मौत को लेकर हरिकेश तिवारी, अजय शुक्ल, संतोष मिश्र, ज्ञानप्रकाश मिश्र, संजीव तिवारी आदि ने गहरी संवेदना जतायी है।

मारपीट का केस दर्ज

प्रतापगढ़। मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुरा थाना क्षेत्र के ढखवा मुस्तफाबाद निवासी मोहन लाल पुत्र रामखेलावन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती इक्कीस जनवरी को दोपहर करीब दो बजे वह अपने दरवाजे पर बैठा था। आरोप है कि इसी बीच गांव के मुन्नालाल यादव पुत्र मातादीन यादव वहां पहुंचे और गाली देते हुए मारने पीटने लगे। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते चला गया। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला के अपहरण का केस दर्ज

प्रतापगढ़। महिला के अपहरण को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बीस जनवरी को उसकी पत्नी का अंतु निवासी सचिन वर्मा पुत्र तुलसीराम वर्मा अपहृत कर ले गया। एसओ राजेन्द्र तिवारी का कहना है कि जांच के बाद आरोपी सचिन के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है।

मवेशियों को भेजा गया गोआश्रय केंद्र

प्रतापगढ़। किसानों की फसल को क्षति पहुंचा रहे बेसहारा मवेशियों को शुक्रवार को ग्रामीणों ने पेयजल टंकी परिसर में कैद कर दिया था। सूचना के बाद शनिवार को मवेशियों को गोआश्रय केंद्र भेजवाया गया। लक्ष्मणपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत हण्डौर में झुण्ड में घूम घूम कर खेत में खड़ी फसलों को नष्ट कर रहे करीब चार दर्जन बेसहारा मवेशियों को ग्रामीणों ने इकटठा कर हाड़वे किनारे स्थित पेयजल टंकी परिसर में कैद कर दिया था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ब्लाककर्मियों को दी थी। सूचना के बाद शनिवार को सभी मवेशियों को गोआश्रय केंद्र भेजा गया। एडीओ पंचायत सुभाष सिंह ने बताया कि सभी मवेशियों को गोआश्रय केंद्र देवली में भेज दिया गया है।

आवास के लिए दर-दर भटक रही गरीब महिला

पट्टी। सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए एक गरीब महिला को दर-दर भटकना पड़ रहा है। पट्टी तहसील क्षेत्र के भिदर गांव की रहने वाली कलावती ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराते हुए ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि ग्राम प्रधान से अनबन के चलते उसे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं दिया गया, जबकि वह पूरी तरह से पात्र है। आवास न मिलने के कारण वह आज भी खुले आसमान के नीचे जीवन गुजारने को मजबूर है। बरसात, ठंड और गर्मी–हर मौसम में उसे भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलावती ने आरोप लगाया कि गांव में जिन लोगों को वास्तव में आवास की आवश्यकता नहीं थी, उन्हें योजना का लाभ दे दिया गया, जबकि जरूरतमंदों को नजरअंदाज किया गया। इससे सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़िता ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई के माध्यम से न्याय की गुहार लगाते हुए आवास दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में पट्टी थुड्ड विकास अधिकारी राजीव पांडे ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा कोई प्रकरण सज्ञान में आता है तो जांच कराकर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

कौशाम्बी संदेश

उत्तर प्रदेश ने पूरे विश्व को धर्म, संस्कृति वेद रामायण व रामचरित

मानस दिया-अध्यक्ष राज्य ललित कला अकादमी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। राज्य ललित कला अकादमी अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि उ.प्र. केवल देश को ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को धर्म व संस्कृति दिया है। भगवान राम व कृष्ण इसी धरती पर हुए। भगवान बुद्ध ने मोक्ष की यात्रा की और अपना परिनिर्वाण भी इसी धरती पर किया। अनेक जैन मुनियों ने यहाँ पर जन्म लिया है। पूरे विश्व को उ.प्र. ने वेद दिया है, रामायण दिया है, रामचरित मानस दिया है। कबीर तुलसी, रैदास इस धरती पर हुए। प्रथम क्रान्तिकारी मंगल पाण्डेय व गणिकर्णिकी अश्वीत रानी लक्ष्मीबाई इसी प्रदेश की थी अच्यक्ष ने कहा कि यहीं पर सप्त ऋषियों ने अपना निवास बनाया। यह

जनपद कौशाम्बी का मुगौरा अब देश में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में जाना जाएगा



प्रदेश अनेक संतों एवं विद्वानों की धरती है।मुख्यमंत्री ने उ.प्र. दिवस

जाता है। उन्होंने कहा कि एक जनपद-एक व्यंजन के अन्तर्गत जनपद कौशाम्बी का मुगौरा अब देश में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री के जन कल्याणकारी योजनाओं व नीतियों के फलस्वरूप उ.प्र. निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उ.प्र. पूरे विश्व को अपने ज्ञान व विज्ञान से आलोकित करेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने सभी को उ.प्र. दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उ.प्र. धर्म, संस्कृति, परम्परा व विरासत का प्रदेश है भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया गया है तथा उ.प्र. को विकसित भारत का ग्रोथ इंजन माना

गया है। उन्होंने कहा कि हम लोग यह संकल्प लेकर जाएं कि उ.प्र. को विकसित बनाने में जनपद कौशाम्बी को विकास का इंजन बनाना है। कौशाम्बी को भी अग्रणी जिला बनाने में अपना योगदान करेंगे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उ.प्र. दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं कहा कि मुख्यमंत्री ने देश व प्रदेश का निरन्तर विकास हो था। प्रतिवर्ष उ.प्र. दिवस मनाया जा रहा है किेन्द्र प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों से देश व प्रदेश का निरन्तर विकास हो रहा है तथा समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के कलाकारों एवं विद्यालयों के बच्चों ने प्रशंसनीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

जिले की सड़कों पर दौड़ रहे हजारों ओवरलोड वाहन

कौशांबी। सड़क दुर्घनाओं में कमी लाए जाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव, उत्तरप्रदेश शासन के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में 01.01.2026 से 31.01.2026 तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत दिनांक 18.01.2026 को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अठारहवें दिवस वीरेन्द्र नाथ राजभर यात्री मालकर अधिकारी द्वारा ओवरलोड संचालित माल वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर 05 ट्रकों को ओवरलोड के अभियोग में जनपद के विभिन्न थानों में निरुद्ध किया गया।उक्त के अतिरिक्त 24 बिना हेल्मेट, 22 नो पार्किंग सहित अन्य अभियोगों में कुल 53 चालान किए गए तथा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया।हाला की सरकार द्वारा दिए गए ओवर लोड वाहनो के विरुद्ध कर्वाई के निर्देश के बाद की जा रही कारवाई पर्याप्त नहीं है जिले की सड़कों पर हजारों वाहन ओवरलोड दौड़ रहे हैं जिन पर कार्याव्ही नहीं हो रही है उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर भी परिवहन विभाग के अधिकारी खेल खेलने में माहिर बताए जाते हैं और जिन वाहनो से उनकी सैटिंग है उन पर सरकार के निर्देश के बाद भी कार्याव्ही होती नहीं दिख रही है जिससे सरकार पर परिवहन विभाग के अधिकारी भारी पड़ रहे हैं।

लकड़ी माफिया के आगे नतमस्तक हुआ तंत्र

ब्लॉक कड़ा के तरसौरा गांव में हरियाली का कत्लेआम

अखंड भारत संदेश

कड़ा कौशांबी। एक ओर जहां ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में सरकार हरियाली बचाने के लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है वहीं कौशाम्बी जिले के सिराथू तहसील अंतर्गत ब्लॉक कड़ा के तरसौरा गांव में स्थिति इसके ठीक उलट है। यहाँ शहजादपुर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत लकड़ी माफियाओं ने अपना ऐसा साम्राज्य स्थापित कर लिया है कि हरे भरे पेड़ों पर पेटीट्रॉलिंग आरा मशीन चलाता उनके लिए आम बात हो गई है। दो दिन पुराने वीडियो ने सिस्टम की पोल खोल दी है सोशल मीडिया पर दो दिन से एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें तरसौरा गांव के भीतर विशालकाय और हरे भरे नौम के पेड़ों को ध्वस्त किया गया है ग्रामीणों की मानें तो यह पेड़ किसी भी तरह से सार्वजनिक बाधा नहीं थे लेकिन परमीशन की आड़ लेकर माफियाओं ने रातों रात हरियाली को मरुस्थल में तब्दील कर दिया विभागीय दरोगा की भूमिका पर



सवाल खड़े हो रहे है इस पूरे खेल के पीछे वन विभाग के एक दरोगा की बड़ी मिलीभगत है। चर्चा है कि लकड़ी माफिया और विभाग के कुछ कमचौरीयों के बीच ऐसा गठजोड़ है कि हरे फलदार पेड़ों को काटने की पककथा पहले ही लिख ली जाती है आरोप है कि जब भी कोई मामला तूल पकड़ता है तो उच्चाधिकारियों को कागजी तौर पर गुमराह करना एक फैशन बन गया है फाइलों में पेड़ों को बीमार या खतरनाक दिखाकर उनकी बलि चढ़ा दी जाती है जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयं

सरकारी जमीन पर बनाए गए बहु मंजिलें मकान पर नहीं चले बुलडोजर

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के मुख्य चौराहे से जिला अधिकारी आवास रोड पर सरकारी जमीन पर जगह जगह दजनों से अधिक बहुमंजिले मकान बन गए हैं मंझनपुर के मुख्य चौराहे की सरकारी जमीन पर भी कई बहु मंजिले मकान बन गए हैं यहीं स्थिति जनपद मुख्यालय के ओसा रोड की है इस रोड की भी कई सरकारी जमीन पर बहु मंजिले मकान बन गए हैं जिला अस्पताल के आसपास भी कई सरकारी जमीन कब्जा करके मकान बनाए गए हैं इतना ही नहीं जनपद मुख्यालय मंझनपुर से सिराथू रोड पर भी कई बहु मंजिले मकान सरकारी जमीन पर बनाए गए हैं मंझनपुर मुख्यालय के नए बस स्टॉप के आसपास दजनों मकान सरकारी भूमि पर बनाए गए हैं जनपद मुख्यालय मंझनपुर में छलावास के अगल-बगल की जमीन पर भी दजनों मकान सरकारी भूमि पर बने हैं इतना ही नहीं नगरी स्वास्थ्य केंद्र के आसपास की भी कई सरकारी जमीनो पर कब्जा करके मकान बनाए गए हैं तहसील रोड पर भी श्री राम वाटिका और उसके आसपास की कई सरकारी जमीनी पर कब्जा करके मकान बनाए गए हैं बीते 20 वर्षों से जनपद मुख्यालय की कीमती सरकारी जमीनो पर मकान बनते रहे और तहसील प्रशासन से लेकर नगर पालिका प्रशासन तक लुका छिपी का खेल खेलता रहा जांच के नाम पर केवल झमेबाजी होती रही जिससे जनपद मुख्यालय में 100 करोड़ रुपए कीमत से अधिक की सरकारी जमीन 20 वर्षों के दौरान कब्जा हो चुकी है जिन्हें खाली करने के लिए प्रशासन का बुलडोजर नहीं चल रहा है। जनपद मुख्यालय में जिधर देखो उधर सरकारी जमीनो पर लोगो के मकान बन गए हैं अंधेरे तो तब हो गया जब पूर्व के अधिकारी के कायकौल में सरकारी जमीन पर बने मकान को तोड़ा जाता है और दूसरे अधिकारी के आने के बाद सरकारी जमीन के मकान को बनवा दिया जाता है यह सब खेल नगर पालिका और तहसील प्रशासन के संरक्षण में बीते कई वर्षों से खुले आम हो रहा है जनपद मुख्यालय मंझनपुर के सरकारी जमीन पर बनाए गए मकान को तोड़ने के लिए प्रशासन का बुलडोजर नहीं चल रहा है और निजी मकान को तोड़कर के प्रशासन विकास की बात कर रहा है।

कांग्रेस का हाथ मजदूरों के साथ : विजय प्रकाश

कौशाम्बी। जिले के चायल विधानसभा अन्तर्गत महंगांव में शनिवार को सर्वप्रथम स्वतंत्रता सेनानी कर्पूरी ठाकुर जी की जयंती के अवसर पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर स्मरण किया गया इसके बाद मनरेगा बचाओ महासंग्राम अभियान के अंतर्गत जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में व जोराल क्रांतिर्नेटर एवं पूर्व विधायक चायल विजय प्रकाश की मौजूदगी में इस अभियान के तहत चौपाल लगाकर लोगों को मनरेगा योजना से सम्बंधित जानकारीयें से अवगत कराया गया इस दौरान विजय प्रकाश ने अपने व्यक्तियों में कहा कि मनरेगा योजना कांग्रेस पार्टी के द्वारा गरीब मजदूरों के लिए लाई गयी योजना थी वर्तमान भाजपा सरकार की आदत बन गई है पूर्व में लागू की योजनाओं का नाम बदल कर अपना मतलब साधने का कांग्रेस के समय में जनउद्धार का कार्य किया जाता था कांग्रेस ने जनता के लिए तमाम कार्य किए जैसे स्वतंत्रता के बाद भारत के बुनियादी

स्वतंत्रता के बाद भारत के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य,और कृषि क्षेत्रों में कांग्रेस ने दिया महत्वपूर्ण योगदान



ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य,और कृषि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्य कार्यों में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति,1991 के आर्थिक उदारीकरण, कम्प/कम्प की स्थापना की.इसके बाद जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी पार्टी ने अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास: 1991 में आर्थिक सुधार (उदारीकरण, निजीकरण) शुरू

किए, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। और मनरेगा, पंचायत राज व्यवस्था को मजबूती और फल्रूक जैसे कानून लाकर आम नागरिक को सशक्त बनाया। तत्पश्चात रक्फ को आर्टिनेटर नुसरत सलमान सरव ने बताया कि आज देश की संपत्तियां जिसे कांग्रेस ने बनाया उसे भाजपा सरकार बेच रही है और अगर उसे समय मिला तो योजनाओं को नाम

भवंस मेहता विद्याश्रम में विषय आधारित रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

भरवारी कौशांबी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में दिनांक 24 जनवरी 2026 को विषय आधारित रंगोली प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और कलात्मक प्रतिभा का अद्भुत दर्शन कर सभी का मन मोह लिया। पूरा विद्यालय परिसर रंगों, आकृतियों और संदेशों से सजी सुंदर रंगोलियों से जीवंत हो उठा प्रतियोगिता को तीन समूहों में अलग अलग थीम पर आयोजित किया गया। पहले समूह में एलेक्ट्रिक से कक्षा दो तक के नन्हे बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें मासूम बच्चों ने रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरा। दूसरे समूह में कक्षा तीन से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों के बीच आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता हुई, जिसका विषय गणतंत्र दिवस से जुड़ा हुआ था। बच्चों ने तिरंगा, अशोक चक्र, वीर सैनिकों और भारत की सांस्कृतिक विविधता पर आधारित सुंदर कलाकृतियां बनाईं। तीसरे समूह में कक्षा तीन से कक्षा ग्यारह तक के छात्रों के लिए उनके अध्ययनरत सभी



विषयों पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी सहित विभिन्न विषयों को रंगों के माध्यम से बेहद रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। सभी समूहों से सर्वश्रेष्ठ तीन तीन प्रतिभागियों का चयन किया गया। इन विजेता विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय के निदेशक संदीप सरस्वती ने अव प्रधानाचार्य बलैया सक्सेना एवं प्रधानाचार्य बलैया सक्सेना द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे बच्चों में उत्साह और आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा। निदेशक संदीप सक्सेना, ट्रेजर

डॉ. प्रशांत अग्रवाल तथा प्रधानाचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की विषय आधारित प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मक क्षमता को निखारने के साथ-साथ उनके शैक्षणिक ज्ञान को भी मजबूत करती हैं और आगामी परीक्षाओं में सहायक सिद्ध होती हैं। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह, सौनियर शिक्षक अवधेश मिश्रा, स्कूल कॉन्डिनेटर ससीम अंसारी, श्रीमती रश्मि पाठक सहित समस्त शिक्षकगण एवं अन्य कमचौरी उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की मेहनत, लगन और प्रतिभा की प्रशंसा की।

भवंस मेहता महाविद्यालय में हबील्लास के साथ मनाया गया उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस

भरवारी कौशांबी। भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस अत्यंत गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कमचौरीयों की सक्रिय सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा सामाजिक-आर्थिक योगदान को नई पीढ़ी के समक्ष प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रबोध श्रीवास्तव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश उगल जनसंख्या की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धार्मिक एवं राजनीतिक दृष्टि से भी देश का एक महत्त्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश का गठन हुआ और तब से लेकर आज तक इस राज्य ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा भाषण,कविता पाठ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर काशी,अयोध्या,मथुरा,प्रयागराज के महत्व पर प्रकाश डाला तथा राज्य की साहित्यिक परंपरा, लोककला, संगीत और शिल्प को रेखांकित किया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश ने राजनीति, शिक्षा, कृषि, विज्ञान और खेल के क्षेत्र में देश को अनेक महान व्यक्तित्व दिए हैं। इस



अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा से अवगत कराते हुए वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, औद्योगिक प्रगति, शिक्षा एवं बुनियादी ढांचे के विस्तार पर भी चर्चा की। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राज्य के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझें। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा सभी उपस्थित व्यक्तों ने उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कुल मिलाकर,भवंस मेहता महाविद्यालय में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का यह कार्यक्रम न केवल जानकारिवर्धक रहा, बल्कि विद्यार्थियों में देश के प्रति गर्व, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी लोग उपस्थित थे।

न्यूज झरोखा

भरवारी कस्बे में हो रही श्री राम कथा सुनकर भाव विभोर हुए भक्त

भरवारी कौशांबी। भरवारी नगर क्षेत्र में श्री राम कथा का आयोजन भव्य रूप से 23 जनवरी से योग केन्द्र श्री राम वाटिका रावण मैदान के सामने कथा वाचिका अनुपमा रामायणी द्वारा किया जा रहा है



है अनुपम लोक कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में ढोलक हारमोनियम तबला की मधुर ध्वनि में संगीतमई श्री राम कथा के आयोजन में प्रभु श्री राम की कथा सुनने के लिए नगर क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दूर गांव के महिला पुरुष भक्तों की भारी भीड़ पंडाल स्थल पर उमड़ रही है जहां कथा वाचिका द्वारा प्रभु श्री राम की लीला का वर्णन कर भक्तों को भाव विभोर किया जा रहा है राम कथा बुवाई पर अच्छाई की विजय का वृत्तांत है। यह एक ऐसी कथा है जो इस बात की पुष्टि करती है कि युद्ध हथियारों से नहीं बल्कि आंतरिक शक्ति, दृढ़ता और चरित की दृढ़ता से जीते जाते हैं। कथा के दूसरे दिन कथा वाचिका अनुपमा रामायणी ने भगवान की दूसरी भक्ति के बारे में भक्तों को बताया। दूसरे दिन हजारों की संख्या में भक्तों ने कथा वाचिका अनुपमा रामायणी के श्रीमूख से कथा का श्रवण किया। श्री राम कथा के दूसरे दिन की शुरुआत दीप प्रज्वलन, आरती और विश्व शांति के लिए आर्चना के साथ की गई श्री राम कथा पंडाल स्थल तक पहुंचे प्रमुख लोगों में जगदीश शिवहरे प्रेम चंद्र मास्टर बीरेन्द्र सागर केशरी ओम प्रकाश राम प्रसाद अग्रहार सुशील कुमार अशोक तिवारी लक्ष्मी कांत शर्मा मेडी लाल शर्मा सहित महिला पुरुष बच्चे बूढ़े भक्तों ने श्री राम कथा रूपी प्रसाद ग्रहण किया है।

कोखराज थाना समाधान दिवस में पहुंचे 12 फरियादी

क े ख र ा ज कौशांबी। शासन के निर्देश पर शनिवार को आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवस के अवसर पर कोखराज थाना में थाना अध्यक्ष



चंद्रभूषण मौर्य की उपस्थिति में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया इस आयोजन में 12 फरियादियों ने जमीन विवाद और अन्य विभाग से संबंधित शिकायती पत्र देकर समस्याओं के समाधान की मांग की जिस पर थाना अध्यक्ष चंद्रभूषण मौर्य ने मौके पर शिकायतकर्ताओं की बात सुनकर 5 मामलों का निस्तारण कर दिया है जिस पर फरियादियों ने आभार व्यक्त किया है शेष मामलों को उन्होंने राजस्व और पुलिस की संसूक्त टीम बनाकर निस्तारित करने का निर्देश दिया है उन्होंने कहा कि समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण किया जाए शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि प्रदान की जाए उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही संदीशर नहीं की जाएगी इस मौके पर उप निरीक्षक पुलिसकमी राजस्व कमी ग्राम प्रधान कानून गो रोहित अग्रहार ,कानून गो,सोहन लेखपाल, पवन राय, रवि विश्वकर्मा, शिव शंकर पाल, कमल सिंह,लक्ष्मी नारायण ,नेहा जैन,अपूर्णा श्रीवास्तव,अनुराधा वर्मा सहित इलाके के गणमान्य लोगों सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मतदाता सूची से छुटे लोगों का तहसीलदार ने जोड़ा नाम

कोखराज कौशांबी। एसआइ आर के सत्यापन के बाद तमाम ग्रामीणों के नाम मतदाता सूची से छूट गए हैं जिस पर लोगो ने अपनी शिकायत दर्ज कराई थी



असफर के निर्देश पर सिराथू तहसील के अनंत राम अग्रवाल राजस्व कमियों के साथ शनिवार को गरीब का पुरवा गांव पहुंचे जहां उन्होंने कैप लगाकर ग्रामीणों को बुलाया और कोखराज गांव के भाग संख्या 81 और 82 के मतदाताओं के नाम का सत्यापन करया एसआइ आर के सत्यापन में छूटे तहसीलदार के निर्देश के बाद ग्रामीणों का नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया है जिससे गांव के लोगो ने तहसीलदार का आभार व्यक्त किया है एसआइ आर के सत्यापन में छूटे हुए नाम को जोड़ने के लिए नोटिस के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया है।

उ.प्र. स्थापना दिवस पर सम्मानित किए गए डॉक्टर अरुण केसरवानी

कौशांबी। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को डायट मैदान मंझनपुर में आयोजित कार्यक्रम में डॉ अरुण केसरवानी को सम्मानित किया गया है इस मौके पर मुख्य अतिथि सुनील कुमार विश्वकर्मा के साथ



साथ जिलाधिकारी कौशांबी डॉ अमित पाल एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम तिपाठी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय कुमार के साथ जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी धर्मराज मौर्य जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना जितेंद्र सोमकर जितेंद्र कुमार सोनकर एवं नगर पालिका अध्यक्ष वीरेन्द्र सरोज की उपस्थिति में कौशांबी जनपद के अंदर चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ अरुण केसरवानी को सम्मानित किया गया उन्होंने कहा कि यह पल मेरे लिए बहुत खुशी का था मेरी कोई भी खुशी सिर्फ मेरी नहीं है ये हमारी खुशी है

समता, समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांत की रक्षा करता है शोषण के विरुद्ध अधिकार- डॉ. नरेन्द्र दिवाकर

बेला देवी उच्चतर माध्यमि विद्यालय में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर **कौशाम्बी।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय कौशाम्बी के तत्वावधान में दिनांक 22.01.2026 को बेला देवी उच्चतर माध्यमि विद्यालय सेवड़ा, चायल में का. सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा पारित निय्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार, नशा मुक्त एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, शोषण के विरुद्ध अधिकार, पंश एक्ट व बच्चों के अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सराविधिक स्वयं सेवक ममता दिवाकर ने पॉस्नो एक्ट अर्थात यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पर बात करते हुए कहा कि इस अधिनियम में गंभीर अपराधों ने मृत्युदंड तक की सजा का प्रावधान है।गौन उल्लंघन (रोकथाम, निषेध और प्रतिषेध) अधिनियम, 2013 या पंश एक्ट यौन उल्लंघन की शिकार पीड़िता की शिकायतों के समाधान के लिए संस्थान के भीतर आंतरिक परिवार समिति और अर्सांनित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं की शिकायतों के निवारण के लिए स्थायीच परिवार समिति के गठन का प्रावधान है जिससे महिला कमचौरीयों की भागीदारी और उत्पादकता में वृद्धि हो सके साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं यथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, बुद्धापे्रशन और निराश्रित महिला पेशन योजना, दिव्यांग सहायता योजना, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा प्रस्त संवाओ आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान किया। डॉ. नरेन्द्र दिवाकर ने शोषण के विरुद्ध अधिकार और बाल अधिकार पर बात करते हुए कहा कि बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई कानूनी प्रावधान हैं शोषण के विरुद्ध अधिकार किसी भी व्यक्ति को गुलामी और अमानवीय परिस्थितियों से बचाते हैं। शोषण के विरुद्ध अधिकार से जुड़े प्राधान भारतीय संविधान (अनु. 23 और 24) सहित कई कानूनों में दिए गए हैं। शोषण के विरुद्ध अधिकार महिलाओं और बच्चों के अनौपचारिक रूप से, भ्रष्टा, बंधुआ मजदूरी का उन्मूलन, बालश्रम पर रोक लगाने के साथ ही सुनिश्चित करता है कि भूमिकों के साथ गुलामी की तरह व्यवहार न हो और उन्हें उनके काम करने के लिए न्यायसंगत वेतन व सम्मानजनक स्थितियां मिले। शोषण के विरुद्ध अधिकार समाज के कमजोर वर्गों की सुसुक्ष् सुनिश्चित करके समता, समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांत की रक्षा करता है।शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत एवं बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ भी दिलवाई गई।कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका दीपा सक्सेना तथा विद्यालय प्रबंधक अंजनी कुमार यादव ने दिया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.अभिनव यादव, डॉ. संदीप दिवाकर, नेहा सिंह, जिज्ञासा शर्मा, राहुल दिवाकर, श्वेता यादव, सपना, विवेक कुमार यादव, एवं पैरा लीगल बालीटिपर ममता दिवाकर अमरदीप दिवाकर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सेवानिवृत्ति पर सुनीता विलियम्स का बड़ा संदेश

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स इन दिनों भारत दौर पर हैं। 22 से 25 जनवरी तक चलने वाले केरल साहित्य महोत्सव में शामिल होने के लिए सुनीता देश आई हुई हैं। 20 जनवरी को सुनीता विलियम्स ने दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में हिस्सा लिया, इस दौरान उन्होंने एक अहम बात कही कि इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि ईसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और परदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स की यह बात उन تمام सरकारों और अंतरिक्ष को अपने कारोबार का हिस्सा बनाने वाले धनपशुओं को सुननी चाहिए, जिनके लिए अंतरिक्ष भी धन कमाने और दुनिया पर दबदबा बनाने का जरिया बन गया है। जबकि शोध और अनुसंधान के नाम पर इस ब्रह्मांड से खिलवाड़ का हक उन्हें नहीं है। सुनीता विलियम्स का यह दौरा भारत के लिए खुशी का अवसर है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां समूची मानवता को गौरवान्वित करने वाली हैं ही, देश इस बात पर और गर्व कर सकता है कि सुनीता विलियम्स ऐसे वक्त भारत आई हैं, जब नासा से उनकी सेवानिवृत्त होने की सूचना आई है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में 27 साल की सेवाएं देने के बाद 27 दिसंबर, 2025 को सुनीता विलियम्स सेवानिवृत्त हुई हैं। उनका अंतिम मिशन मार्च 2025 में पृथ्वी पर लौटने के साथ पूरा हुआ। इसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया कि अब नयी पीढ़ी के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रास्ता खोलने का समय आ गया है। सुनीता का कहना है कि अंतरिक्ष उनका 'सबसे पसंदीदा स्थानइ रहा है, लेकिन अब चांद और मंगल की ओर बढ़ते मानव मिशनों में उनकी भूमिका एक प्रेरणा के रूप में रहेगी। एक अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सुनीता विलियम्स का जीवन साहस, भरोसे और वैज्ञानिक समर्पण की मिसाल है। उनका रिटायरमेंट किसी डर का नतीजा नहीं, बल्कि एक गौरवशाली अध्याय के सम्मानजनक समापन की कहानी है। यहां डर की बात इसलिए कही गई है क्योंकि डेढ़ साल पहले जून 2024 में जब महज 8 दिनों के मिशन पर सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं तो 8 दिन करीब 9 महीनों तक खिंच गए। लेकिन धरती के पार अंतरिक्ष में बैठी सुनीता विलियम्स ने अद्भुत हिम्मत के साथ इस मिशन की भी पूरा किया। यह स्टारलाइनर का पहला क्रू मिशन था और इसे एक टेस्ट प्लाइट के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन तकनीकी खराबियों के चलते मिशन तय समय पर पूरा नहीं हो सका। हालात ऐसे बने कि स्टारलाइनर बिना क्रू के वापस लौट आया और सुनीता विलियम्स को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ही रुकना पड़ा।

जनतंत्र की खोखल, तानाशाह की जीत !

राजेंद्र शर्मा

चुनाव आयोग ने निष्पक्षता की अपनी चदरिया जिस तरह से उतार कर रख दी है और जिस तरह आयोग वर्तमान सत्ताधारी पार्टी के शिविर का हिस्सा बन गया है, उसके बाद तो चुनाव की तारीखों के एलान से पहले और उसके बाद के दौर में, व्यावहारिक मायनों में शायद ही कोई अंतर रह गया है। और चूंकि मोदी-शाह की जोड़ी तो हमेशा ही चुनाव के मोड में रहती है, उसके लिए तो यह विभाजन और भी आभासी है। फिर भी बाकायदा चुनाव प्रचार शुरू होने से लेकर मतदान तक के दौर और उससे पहले के दौर में, एक अवधारणात्मक अंतर तो अब भी बचा ही है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने आने वाले विधानसभाई चुनावों के लिए अपना अश्वमेध का घोड़ा छोड़ दिया है। यह दूसरी बात है कि चुनाव आयोग ने अभी तक चुनाव की तारीखों का एलान तक नहीं किया है। अनुमान है कि अप्रैल में होने वाले चुनावों के लिए, फरवरी के दूसरे पखवाड़े में चुनाव आयोग किसी समय चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। यानी यह वह अंतराल है, जिसमें सत्ताधारी पार्टी को अधिकारिक रूप से सत्ता के चुनावी दुरुपयोग से अपने चुनावी एजेंडा की आगे बढ़ाने के लिए खुली छूट मिली रहती है। वैसे याद रखने वाली बात यह भी है कि केंद्र सरकार उर्फ सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर और खासतौर पर प्रधानमंत्री मोदी के प्रचार की सुविधाओं का ज्यादा से ज्यादा ध्यान रखकर, चुनाव आयोग के चुनाव की तारीखों का एलान करने बाद, विधिवत चुनाव प्रचार का जो दौर शुरू होता है, उसमें भी कौन सा सत्ताधारी पार्टी और उसके स्टार प्रचारकों को, किस तरह की रोक-टोक का सामना करना पड़ता है।

चुनाव आयोग ने निष्पक्षता की अपनी चदरिया जिस तरह से उतार कर रख दी है और जिस तरह आयोग वर्तमान सत्ताधारी पार्टी के शिविर का हिस्सा बन गया है, उसके बाद तो चुनाव की तारीखों के एलान से पहले और उसके बाद के दौर में, व्यावहारिक मायनों में शायद ही कोई अंतर रह गया है। और चूंकि मोदी-शाह की जोड़ी तो हमेशा ही चुनाव के मोड में रहती है, उसके लिए तो यह विभाजन और भी आभासी है। फिर भी बाकायदा चुनाव प्रचार शुरू होने से लेकर मतदान तक के दौर और उससे पहले के दौर में, एक अवधारणात्मक अंतर तो अब भी बचा ही है। लेकिन, हमेशा से ऐसा ही नहीं था। बेशक, नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने और आम तौर न्यायपालिका से लेकर चुनाव आयोग तक, राज्य के स्वतंत्र स्तंभों से लेकर सभी संवैधानिक संस्थाओं तक पर, कार्यपालिका की ताकत के बल पर, तमाम वैध-अवैध तरीकों से तेजी से कब्जा कर लिया गया है। लेकिन, इससे पहले तक हमारी चुनाव व्यवस्था के विकास



की दिशा इससे ठीक उल्टी थी। बेशक, चुनाव प्रणाली पूरी तरह से दोषमुक्त तो शायद कभी भी नहीं थी, फिर भी उसके विकास की दिशा चुनावों को ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा समावेशी बनाने की ओर थी। यहां तक कि पिछली सदी के आखिरी दशक में तो टीएन शेषन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को परदर्शी और स्वतंत्र व निष्पक्ष बनाने के लिए मजबूत शुरूआतें भी की थीं, जिनमें आदर्श चुनाव संहिता का लागू किया जाना भी शामिल था। और इसके लिए उन्होंने लड़कर कार्यपालिका से चुनाव आयोग की निष्पक्षता हासिल की थी, जो कि चुनाव प्रक्रिया की तमाम निष्पक्षता की बुनियाद है।

लेकिन, अब चुनाव प्रक्रिया के विकास की उस दिशा को पूरी तरह से ही पलटा जा चुका है। उल्टे चुनाव प्रक्रिया पर पूरी तरह से कार्यपालिका का नियंत्रण स्थापित करया जा चुका है। और इस उल्टी यात्रा में स्वतंत्रता, निष्पक्षता, जनतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के आशवासनों को अधिक से अधिक खोखला करने के लिए, नित नये-नये तजुबें किए जा रहे हैं। एसआइआर या मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण, ऐसा ही ताजातरीन एक्सपेरिमेंट है, जिसने चुनाव प्रक्रिया को जनता की राय जानने की प्रक्रिया के बजाए, शासन के मजीं से मतदाताओं के ही छांटे जाने की प्रक्रिया बनाए जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यह खतरा कितना वास्तविक है, इसका अंदाजा जिन राय्यों में इस समय यह प्रक्रिया चल रही है, वहां इस प्रक्रिया को मतदाताओं की टागेटेड छंटनी का हथियार बनाए जाने की हर रोज आ रही खबरों से लगाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक और दलित तथा अन्य कमजोर जातियों व महिलाओं के नाम काटे जाने की खबरें आने के साथ-साथ, मुस्लिम बस्तियों में रहने वालों के पतों पर, बड़ी संख्या में अनजाने हिंदुओं के नाम मतदाता सूचियों में जोड़े जाने की खबरें आ रही हैं। उधर राजस्थान से एक हिंदू मतदाता सूची अधिकारी का वीडियो संदेश सोशल मीडिया

में वाइरल हो रहा है जिसमें यह अधिकारी इसकी धमकी दे रहा है कि अगर उस पर मुसलमानों के नाम काटने और दबाव डाला गया तो, वह आत्महत्या कर लेगा। और पंथिम बंगाल में तो, जहां मतदाता सूची के काम में लगे अधिकारियों की चिंताजनक रूप से बड़ी संख्या में आत्महत्याओं ने इसे राजनीतिक बहस का मुद्दा ही बना दिया है, भाजपा नेताओं की गाड़ियों में हजारों की संख्या में, मतदाताओं के नाम काटे जाने के प्रप्र पकड़े गए हैं। यह लक्षित तबकों या संभावित रूप से विरोधी मतदाताओं के नाम कटवाने के संगठित खेल की कहानी कहता है। राजस्थान में भी, पहले चरण में नहीं काटे जा सके, राजनीतिक विरोधी व अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए, डेढ़ लाख से ज्यादा परिपत्र मशीनों की मदद से जमा कराए जाने के उदाहरण सामने आये हैं। पाठकों को याद दिला दे कि संगठित तरीके से और औद्योगिक पैमाने पर, वर्तमान मतदाताओं के नाम कटवाने का यह खेल सबसे पहले राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले पकड़ा गया था, जिसे भाजपा-विरोधी पार्टियों के हो-हल्ला करने के बावजूद, चुनाव आयोग ने बहुत हद तक अनदेखा ही कर दिया था। बाद में संभावित रूप से विरोधी वोटों की कटाई के साक्ष्ययुक्त भंडाफोड़ कर्नाटक के मामले में देश ने देखे। दूसरी ओर, महाराष्ट्र तथा हरियाणा आदि में मुख्यतः फर्जी मतदाता जोड़े जाने के जरिए, मतदाता सूचियों में धांधली के भंडाफोड़ देश ने देखे।

खैर, सत्ता पक्ष के अश्वमेध के घोड़े पर लौटें, जिसे पांच विधानसभाओं के आने वाले चुनावों में जीत के लिए छोड़ा जा चुका है। जैसाकि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है, इस घोड़े ने दो प्रकार के बड़े उल्लंघनों से यह अभियान शुरू किया है, लेकिन चुनाव आयोग को इन उल्लंघनों के दिखाई देने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। पहला उल्लंघन सांप्रदायिक डांग हिसलिंग का बड़े पैमाने पर सहारा लिया जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने और उनसे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने, प. बंगाल तथा

असम के अपने सघन दौरों में, तथाकथित घुसपैठियों के मुद्दे को अपने प्रचार के मुख्य राजनीतिक मुद्दे के तौर पर विशेष जोर देकर उछाला है। जैसाकि हमने अपने पिछले लेख में रेखांकित किया था, मोदी-शाह जब घुसपैठियों की बात करते हैं, तो उनके निशाने पर तमाम मुसलमान होते हैं। संघ परिवार की शब्दावली में घुसपैठिया, मुस्लिम का पर्यायवाची शब्द है। उनकी बोली में इन शब्दों की समानार्थकता कितनी गहरी है, इसे इसी सचाई से समझा जा सकता है कि उनकी परिभाषा के अनुसार, सिर्फ मुसलमान को ही "घुसपैठिया" माना जा सकता है। चाहे दूसरे किसी देश से अवैध रूप से ही आया हो, हिंदू तो "शरणार्थी" ही माना जाएगा। नागरिकता संशोधन कानून या सीएए के जरिए मोदी सरकार, इस बंटवारे को कानूनी रूप भी दे चुकी है और एक वैधानिक फजीवाड़े के जरिए, बिना संशोधन के ही संविधान के धर्मनिरपेक्ष आधार में यानी नागरिकता की परिभाषा में संशोधन भी कर चुकी है। फिर भी हमें मानना पड़ेगा कि 2024 के आम चुनाव से अब तक, अति-उपयोग से इस उल्लंघन की कहानी, घिसकर काफी भीथरी भी हो चुकी है और उसे पूरी तरह से अनदेखा करने के हिसाब से, चुनाव आयोग से लेकर मीडिया तक की खाल ठीक-ठाक मोटी भी हो चुकी है। इन दौरों में लगातार किया जाता दूसरा बड़ा उल्लंघन, जिसके चुनाव आयोग को नजर ही नहीं आने की बात तो छोड़ ही दें, विपक्ष तक उसे मुद्दा बनाना भूल चुका है, मोदी-शाह की जोड़ी द्वारा सरकारी खजाने और सरकारी योजनाओं का, अपने निजी चुनावी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जाना है। इसे साधा गया है, सरकारी योजनाओं की घोषणाओं को, मतदाताओं पर निजी उपकार में तब्दील करने के जरिए। नरेंद्र मोदी ने जैसे चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले के दो-तीन महीनों के अपने सरकारी कार्यक्रम के नाम पर चुनावी दौरों में, सरकारी योजनाओं के ऐलानों को नया नॉर्मल ही बना दिया है। यह वास्तव में अधिकार संपन्न नागरिकों को, सारी संप्रभुता समेटे शासक की कृपा पर निर्भर, प्रजा बनाकर रखे जाने का ही नया नॉर्मल है। यह वह मुकाम है, जहां न सिर्फ सत्ताधारी वोट के जरिए अपना लंबे समय तक सत्ता में बने रहना सुनिश्चित कर सकता है, यह भी सुनिश्चित कर सकता है कि जनतंत्र के अर्थ में चुनाव का कोई अर्थ ही नहीं रह जाए है।

अगर जनतंत्र को फासीवादी तानाशाही का खोल भर बनकर रह जाने से बचना है। तो सत्ताधरियों के साथ मिलीभगत किए बैठो चुनाव आयोग देखे या नहीं देखे, सुने या नहीं सुने, जनतंत्र के एक-एक उल्लंघन का तब तक हिसाब मांगना होगा, जब तक यह लोगों के नागरिक की अपनी पहचान के पुनराविष्कार का महत्वपूर्ण साधन नहीं बन जाता है।

— सर्वमित्रा सुरजन

युवराज मेहता की खबर आने के बाद अब कई अखबारों में दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग जगहों की खबरें और तस्वीरें आ रही हैं कि यहां भी गड्डा है, वहां भी गड्डा है। दो-चार दिनों में ये खबरें गायब हो जाएंगी और जहां गड्डे हैं, वहां के पार्षद, विधायक, सांसद से कोई नहीं पूछने जाएगा कि आप इन्हें पटवाने के लिए क्या कर रहे हैं या जिन जगहों पर सड़कें होनी चाहिए थीं, वहां गड्डे क्यों बने हैं। अगर आप सोचते हैं कि संपन्न परिवार, अच्छी नौकरी, अलीशान रिहायशी इलाके में मकान, बड़ियां और उच्च वर्ण का होने से आप सुरक्षित हैं, आपके अधिकार सुरक्षित हैं, तो फिर यह खबर आपके लिए है। नोएडा में 16 जनवरी की रात इंजीनियर युवराज मेहता अपनी कार सहित सेक्टर-150 में कोहरे के बीच बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्डे में गिर गए और कुछ घंटों तक खुद को बचाने की कोशिश करने के बाद मौत के सामने हार गए। भाग्य में भरोसा रखने वाले लोग चाहें तो कह लें कि देखो मौत कैसे खींचकर ले गई, लेकिन असल में यह व्यवस्थागत हत्या है।

युवराज मेहता गुरग्राम से ग्रेटर नोएडा अपने घर जा रहे थे तो घने कोहरे के कारण उनकी कार सड़क किनारे बनी दीवार को तोड़कर एक मॉल के निर्माणार्धीन बेसमेंट में जा घुसी। हालांकि यह बेसमेंट नहीं, बल्कि 50 एकड़ में फैला और 45 फीट गहरा किसी 'मौत के तालाब' जैसा है। जिसे कई बार प्राधिकरण के अधिकारियों ने देखा होगा और अनदेखा करके चलते बने होंगे। जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए, देश में ऐसे लाखों गड्डे आम लोगों के लिए मौत का इंतजाम लिए बने रहते हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या सरकार में बैठे अन्य की खबरें और तस्वीरें आ रही हैं कि यहां भी गड्डा है, वहां भी गड्डा है। दो-चार दिनों में ये खबरें गायब हो जाएंगी और जहां गड्डे हैं, वहां के पार्षद, विधायक, सांसद से कोई नहीं पूछने जाएगा कि आप इन्हें पटवाने के लिए क्या कर रहे हैं या जिन जगहों पर सड़कें होनी चाहिए थीं, वहां गड्डे क्यों बने हैं। इसी तरह



विधानसभाओं में जाकर ये जनप्रतिनिधि हमारे हित के लिए कानून बनाएं। अब जनता खुद ही देख ले कि कैसे उसका हित हो रहा है। सुनामी आती, भूकंप आता, बादल फटता, तब तो समझ आता कि किसी रिहायशी इलाके के बीचों-बीच एक जानलेवा तालाब बन गया। लेकिन नोएडा में तो बिल्डर की लापरवाही और प्राधिकरण की अनदेखी से ऐसा हुआ है। 2006 में हरियाणा में प्रिंस नाम का बच्चा 60 फीट गहरे बोरेवेल में गिर गया था, जिसे 50 घंटों की मशकत के बाद किसी तरह बचाया गया था। इस काम में सेना ने अतुलनीय योगदान दिया था। तब चैनलों पर दिन-रात इस खबर को चलाया गया। जब बच्चा सही सलामत न बाहर आया तो देश ने चैन की सांस ली। फिर बहुत से चैनलों में बच्चे को बूलाकर उससे बात की गई, कई फिल्मी हस्तियों ने उसे दुलारा। ऐसा लगा कि इस देश में सद्भाव और चार किनारा कूट-कूट कर भरा है। हालांकि ये भ्रम जल्दी ही टूट गया। फिल्मी हस्तियों का हाल तो ऐसा है कि अब वे राजनीति में अभिनय कला के मुरीद हो चुके हैं और चैनलों का सच भी सामने आ गया कि उन्हें इस खबर में भी टीआरपी चाहिए थी। वर्ना गड्डे में किसी के गिरने और मरने या बचने की खबर दिखाने की जगह पहले वे ये खबरें दिखाते कि देश में कहां-कहां कितने किस्म के गड्डे बने हुए हैं।

युवराज मेहता की खबर आने के बाद अब कई अखबारों में दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग जगहों की खबरें और तस्वीरें आ रही हैं कि यहां भी गड्डा है, वहां भी गड्डा है। दो-चार दिनों में ये खबरें गायब हो जाएंगी और जहां गड्डे हैं, वहां के पार्षद, विधायक, सांसद से कोई नहीं पूछने जाएगा कि आप इन्हें पटवाने के लिए क्या कर रहे हैं या जिन जगहों पर सड़कें होनी चाहिए थीं, वहां गड्डे क्यों बने हैं। इसी तरह

राजनीतिक संकल्प को परखने के लिए

फिर वापस आया क्रीमी लेयर का सवाल

ठीक करने के बजाय खास अधिकार को इनाम देता है। भरोसेमंद सुधार के बिना, ये आलोचनाएं जोर पकड़ती हैं, जिससे आरक्षण की जरूरत के बारे में समाज की आम सहमति कम हो सकती है।

इसलिए, एक ज्यादा बारीक नजरिया अपनाने की जरूरत है। क्रीमी लेयर को पहचानना वर्जन के ऐतिहासिक उत्पीड़न की सच्चाई को खत्म नहीं करता; बल्कि, यह उत्पीड़ित समूहों के भीतर नतीजों की विविधता को स्वीकार करता है। आर्थिक तरक्की, स्थिर पेशेवर रोजगार, और पीढ़ी-दर-पीढ़ी शैक्षिक गतिशीलता ऐसे संकेत हैं जो उचित रूप से सकारात्मक समर्थन की कम जरूरत का संकेत दे सकते हैं। चुनौती इन संकेतों को इस तरह से परिभाषित करने में है जो निष्पक्ष तथा पारदर्शी हो और आर्थिक बदलावों को दिखाने के लिए समय-समय पर उसे परिष्कृत किया जाए। इसमें एक नैतिक पहलू भी है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जो लोग पहले ही काफी फायदा उठा चुके हैं, वे आरक्षण का फायदा उठाते रहते हैं, तो वे ऐसा अपने ही समुदाय के अन्य लोगों की कीमत पर करते हैं।

यह अंदरूनी असमानता एकजुटता को कमजोर करती है और सामाजिक न्याय की नीतियों की मुक्ति दिलाने की क्षमता को कमजोर करती है। क्रीमी लेयर को बाहर करने से, विरोधाभासी रूप से, आरक्षण मजबूत हो सकता है, यह सुनिश्चित करके कि फायदे उन लोगों तक पहुंचें जिन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। न्यायपालिका की नई भागीदारी यह बताती है कि इस मुद्दे को अनिश्चित काल के लिए टालना अब संभव नहीं है। हालांकि अदालतों को नीति-निर्माण में दखल देने से बचना के लिए सावधानी से कदम उठाना चाहिए, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने में उनकी भूमिका यह सुनिश्चित करना भी शामिल है ।

गड्डे में भारत, भारत में गड्डा

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम ने किया बरगढ़ का पैदल भ्रमण



अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बरगढ़ में बीते गुरुवार को हुई कपड़ा व्यापारी के बेटे की अपहरण के बाद हत्या की दुःखद घटना के बाद कस्बे में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह व पुलिस बल के साथ पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

एसपी ने घटनास्थल एवं आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं मुस्तेदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से

राधा नाम का जप करने वाले को मिलता का उत्तम भक्ति का वरदान

चित्रकूट। अखिल भारतीय रामानन्दीय खाकी अखाड़ा रामबाग रोहा में चल रही श्रीमद्भगवत ज्ञान महायज्ञ के पाँचवें दिन कथा व्यास महंत अमृतदास महाराज ने भक्ति और ज्ञान के गूढ़ रहस्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सृष्टि के कर्ता-धर्ता परमात्मा सत्य, नित्य, सनातन, स्वतंत्र, निर्विकार और प्रकृति से परे निराकार हैं, किंतु अपने भक्तों पर कृपा करने के लिए वे सदैव सगुण रूप में व्याकुल रहते हैं।

कथा व्यास ने कहा कि जो व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति भाव से श्रीमद्भगवत कथा का श्रवण करता है, वह सहज ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष- चारों पुरुषार्थों को प्राप्त कर लेता है। अमृत के पान से केवल एक व्यक्ति अजर-अमर होता है, जबकि श्रीमद्भगवत कथा रूपी अमृत संपूर्ण कुल को अजर-अमर कर देती है। कहा कि भगवान अपने सच्चे भक्त का कभी अमंगल नहीं होने देते। मीराबाई और प्रह्लाद की भक्ति इसके श्रेष्ठ उदाहरण हैं। भक्तवत्सल भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, जैसे भगवान का सुदर्शन चक्र भक्तों की रक्षा में संलग्न रहता है। अतः भगवान की लीलाओं का निरंतर मनन करते हुए उनके आदर्शों का पालन करना चाहिए। राधा नाम की महिमा बताते हुए कहा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने राधा नाम को सर्वश्रेष्ठ माना है। राधा नाम का उच्चारण करने वाले भक्त को भगवान उत्तम भक्ति का वरदान प्रदान करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का विस्तार से

चित्रकूट के पहाड़ी में विवाहिता ने की आत्महत्या, बबूल के पेड़ से लटकता मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

चित्रकूट। चित्रकूट के पहाड़ी थाना क्षेत्र के ओरा गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान ममता, पत्नी मनोज राजपूत, उम्र करीब 28 वर्ष के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, ममता बुधवार शाम करीब 8:30 बजे अपने घर से निकली थीं। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनो ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह लगभग 6 बजे लखना पुत्र नन्हका चौधरी ने गांव के बाहर एक बाबुल के पेड़ पर उसका शव लटका देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पहाड़ी उपनिरीक्षक श्यामदेव सिंह मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शिव शक्ति अखाड़ा ने निकाली संन्यासी यात्रा हिंदुओं को सशस्त्र बनाने का उद्देश्य बताया

चित्रकूट। चित्रकूट में शनिवार को शिव शक्ति अखाड़ा के महंत मधुराम शरण शिवा के नेतृत्व में एक सशस्त्र संन्यासी यात्रा निकाली गई। यह यात्रा शंकर बाजार से शुरू होकर ट्रैफिक चौराहा होते हुए पुरानी कोतवाली तक पहुंची। यात्रा का मुख्य उद्देश्य समस्त हिंदुओं को सशस्त्र धारी बनाना बताया गया है। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्प वर्षा और फूल मालाओं से इसका स्वागत किया। श्याम गुप्ता और जवाहर सोनी ने यात्रा का संचालन किया। इस यात्रा में महिलाएं भी अपने घरों से रोजमर्रा में उपयोग होने वाले चाकू जैसे हथियार लेकर शामिल हुईं। आयोजकों के अनुसार, यह यात्रा अब तक 24 जिलों के 102 स्थानों पर की जा चुकी है और यह लगातार जारी है। यात्रा के समापन पर महंत मधुराम शरण शिवा ने हिंदुओं की आने वाली पीढ़ी को 'नचैया' की जगह 'लड़इयां' बनाने के लिए प्रेरित किया।

महंत मधुराम शरण शिवा ने अपने संबोधन में योगिंदर नाथ मंडल का उदाहरण देते हुए पाकिस्तान में दलित हिंदुओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जो 25% हिंदू थे, वे अब 5% रह गए हैं। उन्होंने ईसाई मिशनरियों पर भी हिंदुओं को धर्मांतरित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। महंत ने कहा कि हिंदू ही सभी के निशाने पर हैं और



लोग अपने बच्चों को ईसाई मिशनरी स्कूलों में भेजकर उन्हें स्वयं सौंप रहे हैं। उन्होंने बच्चों को शिवाजी महाराज जैसा 'लड़इयां' बनाने की सलाह दी, न कि डीजे पर नाचने वाले 'नचैया'। उन्होंने लव जिहाद, लैड जिहाद, यात्राओं पर पथराव और मंदिरों की भूमि पर कब्जे जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए हिंदुओं को एकजुट होने का आह्वान किया। महंत मधुराम शरण शिवा ने विश्वास व्यक्त किया कि जब हर हिंदू 'लड़इयां' होगा, तो हिंदुओं के त्योहारों, यात्राओं, कथाओं और पूजा पंडालों में कोई भी बाधा

डालने की हिम्मत नहीं करेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों पर हिंदुओं को जातियों में बांटने का आरोप लगाया और कहा कि 'विधर्मी' कभी मित्र या भाई नहीं हो सकते, वे केवल 'चारा' बनाना जानते हैं। अभी समय है एक हो जाओ शस्त्र उठाओ हर घर में शस्त्र होना चाहिए क्योंकि आने वाला समय में हिन्दू धर्म निभाना कठिन होने वाला है। इस यात्रा में विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विश्व हिन्दू महासंघ भाजपा आदि हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता एवं सैकड़ों हिंदू महिलाओं ने हिस्सा लिया।

जननायक कर्पूरी ठाकुर को किया गया याद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती कोग्रेस कैंप कार्यालय में पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रावेन्द्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में मनाई गई। इसके अलावा जनपद के देवधा व दुवारी ग्राम में मनरेगा बचाओ चेपाल का भी आयोजन किया गया।

जयंती कार्यक्रम में कोग्रेसियों ने जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान उनके द्वारा पिछड़ों व दलितों के लिए किए गए संघर्ष पर चर्चा की गई। इसके बाद रामनगर ब्लॉक में देवधा ग्राम में ब्लॉकध्यक्ष शिव शंकर खंगार की अध्यक्षता में मनरेगा बचाओ संग्राम चेपाल का आयोजन किया गया। चेपाल में जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि जब तक इस नए कानून



को वापस नहीं लिया जाता, तब तक पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। पूर्व प्रत्याशी रंजना बराती लाल पांडेय ने कहा कि यह सरकार गरीब मजदूर के हितों की अनदेखी कर धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। सभी लोग एकजुट होकर कोग्रेस के हाथों को मजबूत करें। जिला

महासचिव कालीचरण राजपूत ने कहा कि पिछड़ों दलितों को भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा परेशान किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ब्लॉक अध्यक्ष शिव शंकर खंगार ने अपील की कि नवीन मनरेगा कानून को वापस लेने के लिए कोग्रेस पार्टी का सहयोग करें। इसी प्रकार भरकोरा ग्राम सभा

में ब्लॉक अध्यक्ष जग जाहिर पटेल की अध्यक्षता में मनरेगा बचाओ संग्राम चेपाल का आयोजन हुआ। इस मौके पर शिवगुलाम वर्मा, चुनवाद प्रसाद, विजयमणि त्रिपाठी, सोहन प्रसाद, धर्मपाल, रामसुमेर, भोला प्रसाद, चंदन, श्यामकली, माया, मीरा सहित अन्य कोग्रेसी मौजूद रहे।

हिंदुओं की नई पीढ़ी को संघर्ष करने के लिए रहना होगा तैयार

चित्रकूट। शिव शक्ति अखाड़ा के महंत मधुराम शरण शिवा द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय में सशस्त्र संन्यासी यात्रा निकाली गई। समस्त हिंदुओं को सशस्त्र धारी बनाने के उद्देश्य से निकाली गई इस यात्रा का जनपदवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

जिला मुख्यालय में सशस्त्र संन्यासी यात्रा शंकर बाजार से ट्रैफिक चौराहा होते हुए पुरानी कोतवाली तक निकाली गई। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत व उत्साहवर्धन किया।

यात्रा का संचालन श्याम गुप्ता एवं जवाहर सोनी द्वारा किया गया। इस यात्रा में महिलाएं अपने घर से रोजमर्रा में उपयोग होने वाली चीजों को लेकर सम्मिलित हुईं। यह यात्रा अभी तक 24 जिलों के 102 स्थानों पर निकाली जा चुकी है, जो अनवरत चल रही है। यात्रा के समापन पर महंत मधुराम शरण शिवा ने हिंदुओं की आने वाली पीढ़ी को नचैया की जगह लड़इयां बनाने के लिये प्रेरित किया। योगिंदर नाथ मंडल का उदाहरण देते हुए पाकिस्तान में दलित हिंदुओं के साथ

किए गए कृत्यों को बताया। कहा कि ईसाई मिशनरी भी हिंदुओं को ही लक्ष्य बनाकर धर्मान्तरण कराने का प्रयास करते हैं और वर्तमान में हिंदू भी अपने बच्चों को ईसाई मिशनरी के स्कूलों में पढ़ाकर स्वयं उनको सौंप रहे हैं। कहा कि अपने बच्चों को शिवाजी महाराज जैसा लड़इयां बनाइए, डीजे में नाचने वाले नचैया मत बनाइए। प्रतिदिन लव जिहाद, हिंदू यात्राओं पर पथराव, मंदिरों की भूमि पर कब्जा व हिंदुओं को बेघर करने की खबरें आती रहती है। कहा कि जब हर हिंदू लड़इया

होगा, तो हिंदुओं के त्योहारों में, यात्राओं में, कथाओं में, पूजा के दौरान पंडालों में किसी की पथराव करने की हिम्मत नहीं होगी। राजनीतिक पार्टियां अपने फायदे के लिए सदैव हिंदुओं की जातियों में बांटती आई है। उन्होंने हिंदुओं को जागरूक करते हुए शस्त्र उठाने अपने लिए लड़ई लड़ने के लिए तैयार रहने को प्रेरित किया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भाजपा सहित हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता एवं महिलाएं मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत किया गया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 100 दिवसीय अभियान के उद्देश्यों, रणनीतियों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए बाल विवाह की रोकथाम, बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य आदि विषयों पर संवाद किया गया।

कार्यक्रम में सीएचसी अधीक्षक डॉ देवेन्द्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि बाल विवाह न केवल बालिकाओं के स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि उनके भविष्य और आत्मनिर्भरता में भी बाधा बनता है। समाज, परिवार और स्वास्थ्य तंत्र को मिलकर इसके उन्मूलन के लिए जिम्मेदारी निभानी होगी। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के कार्यक्रम समन्वयक आदित्य मिश्रा ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इस अभियान का उद्देश्य केवल



जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि प्रत्येक गांव, प्रत्येक परिवार तक यह संदेश पहुंचाना है कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। समिति के कार्यकर्ता कमलाशंकर शुक्ला ने बताया कि संस्था इस अभियान के माध्यम से लगातार विद्यालयों, समुदायों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के साथ मिलकर बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्य करती रहेगी। विकास पथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि बाल विवाह रोकना केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का प्रश्न है। जब तक समुदाय स्वयं आगे आकर बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के लिए खड़ा नहीं होगा, तब तक स्थायी बदलाव संभव नहीं है। ज्योतिबा राव फुले विद्यालय के

प्रधानाचार्य प्रेम दास अहिरवार ने कहा कि शिक्षा ही बाल विवाह के विरुद्ध सबसे सशक्त हथियार है। यदि प्रत्येक बालिका विद्यालय से जुड़ी रहे, तो बाल विवाह जैसी कुप्रथा स्वतः समाप्त हो सकती है। एंटी ड्रुमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी त्रिभुवन सिंह ने बालिका सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा बाल विवाह उन्मूलन में समुदाय की भूमिका पर

विशेष जोर दिया। पुषेन्द्र सिंह ने आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में बाल विवाह की पहचान, समय पर सूचना देने एवं समुदाय को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस दौरान कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों को बाल विवाह रोकथाम से संबंधित सूचना सामग्री वितरित कर शपथ दिलाई गई।

नाबालिग छात्र का हुआ अंतिम संस्कार, परिजनों ने दूसरे हत्यारोपी के एनकाउंटर की मांग की

चित्रकूट। चित्रकूट के बरगढ़ कस्बे में फिरौती के लिए किडनैप नाबालिग छात्र आयुष केसरवानी का शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान हजारों लोग मौजूद रहे। परिजनों और व्यापारियों ने शासन-प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दूसरे हत्यारोपी का भी एनकाउंटर करने की मांग की। कपड़ा व्यापारी अशोक केसरवानी के सातवीं कक्षा के बेटे आयुष को गुरुवार शाम उनके पूर्व किराएदार कल्लू उर्फ साहेब और इरफान बाइक सिखाने के बहाने अपने घर ले गए थे। वहां आरोपियों ने आयुष की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को बाथरूम में गड्ढा खोदकर छिपा दिया गया था। इसके बाद आरोपियों ने आयुष के पिता से 40 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी।

सूचना मिलने पर एसपी अरुण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रयागराज पुलिस और एसटीएफ की मदद से आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की गई। पुलिस ने दोनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर आयुष का शव बरामद कर लिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में आयुष की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई है। आयुष की अंतिम यात्रा में सभी राजनीतिक



दलों के नेता, समाजसेवी और व्यापारी शामिल हुए। पूरे कस्बे के बाजार बंद रहे। इस दौरान लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी देखी गई। छात्र के पिता ने आरोप लगाया कि जिस स्थान पर आयुष को छिपाया गया था, वहां मीडिया या परिजनों को जाने की अनुमति क्यों नहीं दी गई।

पिता ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें शस्त्र लाइसेंस नहीं मिला, दूसरे आरोपी का एनकाउंटर नहीं हुआ और दोनों आरोपियों के घरों पर बुलडोजर नहीं चला, तो वे मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने परिवार सहित आत्मदाह करेंगे। बांदा-चित्रकूट सांसद कृष्ण देवी पटेल भी अंतिम संस्कार में शामिल हुईं।

विदेश संदेश

दुनिया के सामने गाजा बोर्ड ऑफ पीस पेश कर रहे थे ट्रंप, तभी कान में फुसफुसाने लगे शहबाज

रूस दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान बोर्ड ऑफ पीस चार्टर की घोषणा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मध्य पूर्व में अब शांति है। उन्होंने आठ संघर्षों के समाधान के अपने दावे को दोहराते हुए संकेत दिया कि एक और समझौता जल्द ही हो सकता है। उनका इशारा रूस-यूक्रेन युद्ध की ओर था, जिसे उन्होंने शुरू में सरल समझा था, लेकिन जो अब तक का सबसे कठिन संघर्ष साबित हुआ है। ट्रम्प ने कहा कि पिछले महीने लगभग 29,000 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर सैनिक थे। उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत आगे बढ़ रही है, जो स्टीव बिटकोफ द्वारा पहले दिए गए बयान से मिलती-जुलती है। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने एक घंटे से अधिक के भाषण में कहा कि वह ग्रीनलैंड की अधिकार, स्वामित्व और मालिकाना हक सहित हासिल करना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने सैन्य उपयोग



के मुद्दे पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। ट्रंप ने अपने भाषण के दौरान बार-बार अपने यूरोपीय सहयोगियों का मजाक उड़ाया और नाटो को संकेत दिया कि उसे अमेरिका के विस्तारवाद को नहीं रोकना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि लोगों को लगा कि मैं

बल का प्रयोग करूंगा, लेकिन मुझे बल का प्रयोग करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा मैं बल का प्रयोग नहीं करना चाहता। मैं बल का प्रयोग नहीं करूंगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस बात की पुष्टि की कि शांति बोर्ड की शुरुआत गाजा पर ध्यान केंद्रित करने से होगी, लेकिन

बाद में इसका दायरा वैश्विक स्तर पर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि गाजा में सफलता मिलने के साथ ही हम अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार कर सकते हैं। हम गाजा में बहुत सफल होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम कई अन्य कार्य कर सकते हैं। एक बार यह बोर्ड पूरी तरह से गठित हो जाए, तो हम लगभग वह सब कुछ कर सकते हैं जो हम करना चाहते हैं। समझौते का समर्थन करने वाले देश बहरीन के शेख ईसा और मोरक्को के विदेश मंत्री नासिर बोरिता से शुरू करते हुए, दो-दो कर-के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से चार्टर पर हस्ताक्षर करने के लिए संपर्क करते हैं। कुछ ही समय बाद, विश्व आर्थिक मंच के एक अधिकारी घोषणा करते हैं कि चार्टर आधिकारिक रूप से प्रभावी हो गया है और शांति बोर्ड एक औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में स्थापित हो गया है। इसके बाद, हस्ताक्षर प्रक्रिया पूरी करने के लिए दो-दो करके अन्य नेता आगे आते हैं।

अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को हमास को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह हथियार छोड़ने पर सहमत नहीं होता है तो उसे उड़ा दिया जाएगा। उन्होंने दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान गाजा पर केंद्रित अपने "शांति बोर्ड" के हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। कई विश्व नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित इस उच्चस्तरीय समारोह में ट्रंप ने कहा कि हमास द्वारा निरस्त्रीकरण पर कोई समझौता नहीं होगा और इसे अपने नवस्थापित शांति ढांचे की पहली परीक्षा बताया। ट्रंप ने दावोस में पहले दिए गए अपने बयान को दोहराते हुए कहा कि अगर हमास हथियार छोड़ने पर सहमत नहीं होता है, तो



उन्हें उड़ा दिया जाएगा। वाशिंगटन को अगले दो या तीन दिनों में, निश्चित रूप से अगले तीन हफ्तों में हेंड पता चल जाएगा कि क्या समूह अनुपालन करने का इरादा रखता है। इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ पीस चार्टर का औपचारिक शुभारंभ हुआ, जो एक ऐसी पहल है जिसे ट्रंप ने गाजा में युद्धविपम प्रवर्तन,

पुनर्निर्माण और सुरक्षा समन्वय की देखरेख के लिए एक तंत्र के रूप में पेश किया है, साथ ही इसके दायरे को क्षेत्र से परे संघर्षों से निपटने के लिए विस्तारित किया है। हस्ताक्षर करने के लिए बहरीन और मोरक्को के नेता भी ट्रंप के साथ मौजूद थे, जबकि अन्य नेता भी दो-दो करके हस्ताक्षर करने के लिए आगे आए।

बहुत अच्छा आदमी...शहबाज शरीफ को साथ बिठाकर ट्रंप ने बांधे तारीफों के पुल

अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अपमानित किया और कहा कि जब शरीफ ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोककर कम से कम 10 से 20 मिलियन लोगों की जान बचाई है, तो उन्हें गर्व महसूस हुआ। पिछले साल मई में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद, जिसमें ज्यादातर पर्यटक सहित 26 लोगों की जान गई थी, भारत और पाकिस्तान चार दिनों तक चले भीषण संघर्ष में उलझे रहे। अन्य विश्व नेताओं के साथ

'बोर्ड ऑफ पीस' चार्टर पर हस्ताक्षर करते हुए, 79 वर्षीय रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने अपने इस दावे को दोहराया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में आठ युद्धों को रोका है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया एक साल पहले की तुलना में अधिक समृद्ध, सुरक्षित और अधिक शांतिपूर्ण है। हमने उन सभी आग को बुझाया। बहुत से लोग, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, यह नहीं जानते थे कि इनमें से कुछ युद्ध चल रहे थे... भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के साथ शुरू हुए युद्ध को रोकने में हमें बहुत खुशी हुई। मुझे बहुत गर्व हुआ जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने भयानक घटनाएँ होने से



ठीक पहले युद्ध को रोककर 10 और शायद 20 मिलियन लोगों की जान बचाई। राष्ट्रपति के रूप में मैंने नौ महीनों में कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजराइल

और ईरान,उन आठ युद्धों को समाप्त किया है और मिस्र और इथियोपिया;हम इस पर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने शरीफ समेत अन्य सदस्यों के साथ 'बोर्ड ऑफ पीस' चार्टर पर हस्ताक्षर किए। 'बोर्ड ऑफ पीस' एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो वैश्विक संघर्षों

का समाधान करेगी और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से तबाह हुए गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगी। इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रंप ने भारत को भी इस बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था। चार्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह संस्था गाजा को सैन्य मुक्त करने और उसका 'सुंदर' पुनर्निर्माण सुनिश्चित करेगी। गाजा संघर्ष के समाधान के बाद ट्रंप ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य 'लेबनान में हिजबुल्लाह' के खिलाफ 'कुछ करना' होगा। अपने संबोधन में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की परीक्ष रूप से आलोचना करते हुए कहा कि इस वैश्विक संस्था में 'अत्यधिक क्षमता' है।

अमेरिकी बेस को लगाऊं ताला

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने ग्रीनलैंड को लेकर एक दिलचस्प बयान दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे ट्रंप को लेकर सवाल हुआ। यूनाटेड स्टेट ऑफ अमेरिका से रिश्तों को लेकर सवाल हुए तो पत्रकारों के सवालो के जवाब में उन्होंने ये तक कह दिया कि क्या इस परिस्थिति के लिए या ग्रीनलैंड जैसे हालात बन रहे हैं तो हमें अमेरिकी बेस पर कब्जा कर लेना चाहिए। मैक्रडोनाल्ड पर हमला कर देना चाहिए। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल के दौरान हुए कई राजनयिक मतभेदों के बाद अमेरिका से दूरी बनाने की माँगों को सिरे से खारिज कर दिया है। 9 जनवरी 2026, शुक्रवार को रोम में आयोजित अपने पारंपरिक नववर्ष प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने तीखे व्यंग्य का इस्तेमाल करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इटली के पास अपने मौजूदा सुरक्षा और व्यापारिक गठबंधनों के बाहर कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक विदेश नीतियों के सामने इटली को किस प्रकार 'मजबूती' से काम लेना चाहिए' इस सवाल का जवाब देते हुए, मेलोनी ने अपने आलोचकों को एक ठोस विकल्प



पेश करने की चुनौती दी। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, 'आपको मुझे बताना होगा कि आपका क्या मतलब है। क्या हम नाटो छोड़ दें, अमेरिकी अट्रेंडू बंद कर दें, व्यापारिक संबंध तोड़ दें, या मैकडोनाल्ड्स पर हमला कर दें? मुझे नहीं पता। हमें क्या करना चाहिए? मेलोनी, जिन्हें व्यापक रूप से ट्रंप के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने वाले कुछ यूरोपीय नेताओं में से एक माना जाता है, ने इस बात पर जोर दिया कि इटली की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा दो अडिग आधारों पर टिकी है: यूरोपीय संघ और अटलान्टिक गठबंधन (नाटो) की सदस्यता। उन्होंने तर्क दिया कि कूटनीति में 'मजबूती' का अर्थ अलगाववाद या ऐतिहासिक संबंधों को तोड़ना नहीं है। जापान टुडे के अनुसार, मेलोनी ने कहा, 'बेशक, मैं हमेशा अपने सहयोगियों की हर

बात से सहमत नहीं होती। राष्ट्रों के हित हमेशा पूरी तरह से मेल नहीं खाते।' उन्होंने कहा कि वेनेजुएला जैसे मुठ्ठी पर वाशिंगटन के साथ उनकी कुछ साझा राय है, लेकिन ग्रीनलैंड के संबंध में हालिया अमेरिकी बयानबाजी से वे पूरी तरह असहमत हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि ये बारीकियाँ दशकों के सहयोग को खत्म करने का कारण नहीं बल्कि एक 'परिपक्व गठबंधन' का हिस्सा हैं। ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नए दावों के बाद गठबंधन के भीतर मौजूदा तनाव पैदा हो गया है, जिसमें डेनमार्क से इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीप को सुरक्षित करने के लिए सैन्य विकल्पों के सुझाव भी शामिल हैं। मेलोनी ने डेनमार्क-शासित क्षेत्र पर किसी भी सैन्य कार्रवाई का समर्थन करने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया और चेतावनी दी।

भी ट्रंप की धमकियों का मुहताब जवाब दे रहा है। ईरान किसी भी कीमत पर झुकने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि अगर किसी भी तरफ से कोई भी चिंगारी भड़की तो भीषण युद्ध भड़क सकता है। हाल ही में यह खबरें आई थी कि अमेरिका ईरान पर भयंकर हमला करने वाला था। लेकिन कई वजह से ट्रंप ने यूटर्न मार लिया। इसी बीच अब ट्रंप को अपनी हत्या का डर सताने लगा है। जिसको लेकर उन्होंने ईरान को अब तक की सबसे खतरनाक धमकी दे दी है। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा है कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। इससे पहले भी ट्रंप कह चुके हैं कि उन्होंने अपने सलाहकारों को आदेश दिया है।

पीएम से मिलने आए थे राष्ट्रपति नाहयान, ट्रंप ने अचानक UAE में डेल्टा फोर्स क्यों किया रवाना?

अमेरिका और अमेरिका आमने-सामने हैं। यह तनाव ईरान में पिछले कई दिनों से चल रहे प्रदर्शन से बढ़का है। जिसमें हजारों लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों मस्जिदें जलाई जा चुकी हैं। ईरान में प्रदर्शनकारियों को ट्रंप ने खुला समर्थन देते हुए खामेनेई को यह चेतावनी दे दी है कि अगर सुरक्षाकर्मी प्रदर्शनकारियों को मारते हैं तो अमेरिका हमला करेगा। ईरान

अमेरिका अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच चल रहे तनाव और मिडिल ईस्ट में फैली अशांति के बीच दुनिया उस वक्त हैरान रह गई थी जब अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने संयुक्त अरब अमीरात यानी कि यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान दिल्ली पहुंच गए थे। इस खबर के सामने आते ही अमेरिका के वाशिंगटन से लेकर पाकिस्तान के इस्लामाबाद तक में जोरदार हड़कंप मच गया। ये दौरा ऐसे समय में हुआ जब खाड़ी देशों खासकर यूएई और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ रहा है। साथ ही ईरान को लेकर क्षेत्रीय समीकरण भी बदल रहे हैं। लेकिन अब राष्ट्रपति अल नाहयान के दिल्ली दौर के तीन दिन बाद यूएई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान के



खिलाफ यूएस की बड़ी तैयारी कर ली है। ट्रंप ने यूएई में डेल्टा फोर्स को रवाना कर दिया है। अगले 48 घंटे में खामेनेई के किडनैपिंग से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ सकती है। जॉर्डन, कतर में डेल्टा फोर्स की तैनाती कर

दी गई है। यानी चारों तरफ से ईरान को घेरने की तैयारी ट्रंप कर रहे हैं। ट्रंप ने ईरान की घेराबंदी कर ली है। 25,000 जवानों को तैनात किया गया है। पुरे मिडिल ईस्ट में जहां-जहां यूएस मिलिट्री बेस है सबको एक्टिव कर दिया गया है और इस वक्त 25,000 जवानों की तैनाती के साथ ही ईरान की घेराबंदी ट्रंप ने कर दी है। कहा जा रहा था कि क्या ईरान पर अमेरिका का हमला टल चुका है। लेकिन ये तैयारी देखकर ऐसा लग नहीं रहा है। मादरो को ट्रंप की सेना ने किडनैप करके वहां से एक तरह से पूरा तख्ता पलट किया। वैसा ही कुछ ईरान में होगा क्या? ईरान में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में 3,117 लोगों की मौत हुई है। सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर

योग सत्संग समिति

द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा, प्रयागराज से मुद्रित

एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान

झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

से प्रकाशित

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक

अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:

9565333000

Email:

akhandbharratsandesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र

प्रयागराज होगा

कतर, सऊदी, तुर्की समेत मुस्लिम वर्ल्ड झुककर हां में हां मिलाता चला गया

इंडोनेशिया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए आठ इस्लामिक देशों ने हांमी भर दी है। इनमें कतर, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर ट्रंप के निमंत्रण का स्वागत किया और बोर्ड के मिशन का समर्थन बताया। यह बोर्ड गाजा में शांति स्थापित करने, पुनर्निर्माण और निवेश को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। सऊदी, यूएई, कतर, तुर्की,समेत दुनिया के बड़े मुसलमान मुल्कों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस को जॉइन कर लिया है। सबसे दिलचस्प ये है कि एक तरफ जहां मुस्लिम दुनिया के सभी बड़े देश डोनाल्ड ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस का समर्थन कर रहे हैं और इसमें शामिल हो रहे हैं। अमेरिका के

करीबी यूरोपीय सहयोगी इस बोर्ड में शामिल होने को इच्छुक नहीं दिखते या फिर वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं। बोर्ड ऑफ पीस को लेकर यह शंका भी सामने आ रही है कि इसकी कार्यप्रणाली इजरायल के हितों को प्राथमिकता दे सकती है, जिससे फिलिस्तीनियों के साथ अन्याय होने का खतरा बना रहेगा। माना जा रहा है कि इस बोर्ड की पूरी कमान अमेरिका के हाथों में होगी और इसका प्रभावी नियंत्रण ट्रंप के पास रहेगा, जिन्हें इजरायल के प्रबल समर्थकों में गिना जाता है। ऐसे में मुस्लिम देशों की इस बोर्ड में भागीदारी को लेकर मुस्लिम समाज के एक बड़े वर्ग में असंतोष है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि जो देश फिलिस्तीनी राष्ट्र की पैरवी करते रहे हैं, वे गाजा के शासन की जिम्मेदारी ऐसे बोर्ड को कैसे सौंप सकते हैं, जिसका नियंत्रण प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अमेरिका के हाथों में हो। क्या है बोर्ड ऑफ पीस



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में शांति के लिए 'बोर्ड ऑफ पीस' बनाया है। ट्रंप इसके आजीवन चेयरमैन रहेंगे। बोर्ड का सदस्य बनने के लिए भारत, चीन समेत दुनियाभर के 60 से ज्यादा नेताओं को न्योता भेजा गया। बोर्ड की शुरुआती सदस्यता 3 साल की होगी। स्थायी

सदस्यता के लिए देश को। अरब डॉलर यानी करीब 9000 करोड़ रुपये देने होंगे। यह रकम सदस्य बनने के साल के अंदर देनी होगी। यह रकम नहीं देते तो 3 साल बाद सदस्यता खत्म होगी। गाजा में होगा फंड का इस्तेमाल अमेरिका का कहना है कि इस फंड का

इस्तेमाल गाजा के रीडिवेलपमेंट में होगा। यह बोर्ड तीन स्तर का होगा। फाउंडिंग इजेक्युटिव काउंसिल में अमेरिकी नेता और उद्योगपति हैं। ट्रंप का ये बोर्ड ऑफ पीस गाजा के अलावा दुनिया के अन्य संघर्षों को भी अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत खत्म करने में अपनी भूमिका निभाने का इरादा रखता है। इसका मकसद खुद को सुरक्षा परिषद के विकल्प के तौर पर पेश करना है। भारत का क्या फैसला भारत को भी इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता मिल चुका है। फिर भी भारत ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक भारत इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है। लेकिन जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठा रहा। भारत का रुख साफ है कि हम दो राज्य समाधान का समर्थन कर रहे हैं और क्षेत्र में स्थाई शांति के लिए सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। लेकिन कई विशेषज्ञ

और थिंक टैंक्स ने सलाह दी है कि भारत को औपचारिक रूप से बोर्ड में शामिल नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन के ढांचों को बायपास करता है। जिसमें फिलिस्तीनी लोगों की भागीदारी भी कम है। साथ ही इजराइल को सुरक्षा पर वीटो पावर मिलने से असंतुलन है और यह व्यासायिक हितों को प्राथमिकता दे सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपनी प्रतिष्ठा और रणनीतिक जोखिमों को देखते हुए मानवीय सहायता तो दे सकता है लेकिन सदस्यता से दूर रहना ही भारत के लिए बेहतर होगा। विपक्षी दल भी सरकार से अपील कर रही हैं कि बोर्ड में शामिल ना हो क्योंकि ये फिलिस्तीनी कॉज के साथ धोखा होगा और यूएन चार्टर का उल्लंघन भी होगा। कुछ पूर्व राजनयों का मानना है कि अगर भारत शामिल नहीं होता है तो तुर्की, कतर और पाकिस्तान जैसे देश एजेंडा चला सकते हैं।